सूविचार

जिस राष्ट्र में चरित्रशीलता नहीं है उसमें कोई योजना काम नहीं कर सकती।

दैनिक

इंटरनल न्यूज

सच की तह तक....

internalnews@gmail.com

www.internalnews.com

वर्ष : 11 | अंक : 359 | पृष्ठ : 08 | मूल्य 1 रूपये | भोपाल, बुधवार 25 मार्च 2026 | RNI NO. MPHIN/2015/61965

मुख्यमंत्री दतिया जिले के भांडेर में राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन में हुए शामिल

किसान ही देश के भाग्य विधाता हैं, उनकी समृद्धि ही है हमारा संकल्प

» पशुपालन, मत्स्य पालन, कृषि आधारित उद्योगों के प्रोत्साहन से मध्यप्रदेश बनेगा नंबर-1 राज्य

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सभी क्षेत्रों में निरन्तर आगे बढ़ रहा है। दुनिया का कोई ऐसा देश नहीं, जहां संकट आया और प्रधानमंत्री श्री मोदी की पहल से भारतीय नागरिकों की घर वापसी सुनिश्चित न की गई हो। मध्यप्रदेश सरकार प्रधानमंत्री श्री मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को दतिया जिले में आयोजित राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान श्री बलराम को नमन करते हुए कहा कि किसान ही हमारे देश के भाग्य विधाता हैं। वे सूरज की तपती गर्मी में अपने परिश्रम से सभी के लिए अन्न उगाते हैं। कृषक कल्याण वर्ष में राज्य सरकार किसानों की समृद्धि के लिए संकल्पित है। प्रदेश के किसान आधुनिक कृषि यंत्रों से खेती करें, पशुपालन, मत्स्य पालन और कृषि आधारित उद्योग शुरू कर खाद्य प्र-संस्करण से अपनी आय दोगुनी करें। इसके लिए अनेक योजनाओं की सौगात दी जा रही है। अब हमारे किसान नरवाई प्रबंधन के लिए मशीनों से भूसा भी बना रहे हैं, जिससे उन्हें गेहूं और भूसा, दोनों से कमाई का सुनहरा मौका मिला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश बहुत जल्द देश का नंबर-1 राज्य बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसान सम्मेलन में दतिया को 62.23 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 62.23 करोड़ लागत के 12 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया। इसमें भव्य सांदीपनि विद्यालय, दैवीय स्थल रतनगढ़ में यात्री निवास, स्टेडियम सहित अन्य विकास कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मेलन में हितग्राहियों को कृषि यंत्र, पशुपालन, खाद्य प्र-संस्करण के लिए हितलाभ भी वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण

ने अपना संपूर्ण जीवन जनकल्याण के लिए समर्पित कर दिया। प्रदेश के सांदीपनि विद्यालय बच्चों के सुनहरे भविष्य के मंदिर की तरह हैं। शासकीय स्कूलों में पढ़ाई करने वाले बच्चों को निःशुल्क किताबें, ड्रेस, साइकिलें, लैपटॉप और स्कूटी तक दी जा रही हैं। इसी शैक्षणिक सत्र से यशोदा योजना में बच्चों को दूध के पैकेट भी वितरित किये जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की सभी पात्र लाड़ली बहनों को हर महीने 1500 रुपए की राशि मिल रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़ाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। सिंचाई का रकबा कभी साढ़े 7 लाख हैक्टेयर था, जो अब बढ़कर 55 लाख हैक्टेयर तक पहुंच चुका है। पिछले 2 साल में सिंचित भूमि का रकबा लगभग दस लाख हैक्टेयर बढ़ गया है। केन-बेतवा लिंक नदी जोड़ो परियोजना के माध्यम से बुंदेलखंड अंचल और आसपास के जिलों के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल मिलेगा। केंद्र सरकार ने मध्यप्रदेश को नदी जोड़ो परियोजना की महत्वपूर्ण सौगात दी है, जिसका लाभ उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों को भी मिलेगा। अब बुंदेलखंड अंचल से कोई किसान पलायन करने को विवश नहीं होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान फसल काटने के बाद खेतों में नरवाई को न जलाएं, इससे भूमि की उर्वरा शक्ति क्षीण होती हैं। राज्य सरकार भूसा निर्माण के लिए हितग्राहियों को हैप्पी सीडर मशीनें प्रदान कर रही है। किसान भूसा बनाकर पास की गौशालाओं में बेचें। अब किसानों को गेहूं के साथ-साथ भूसे का भी पैसा मिलेगा। लघु कृषकों को समय पर किराये पर कृषि यंत्र मिल जाएं और उनकी खेती अच्छी हो जाए। इसके लिए विधानसभा स्तर पर कस्टम हायरिंग सेंटर यानी कृषि यंत्रों की किराये की दुकान खोली जा रही हैं। बदलते दौर में पर्याप्त बिजली ,सभी की जरूरत है। वर्षा काल के बाद सिंचाई के लिए किसानों को चौबीस घंटे बिजली उपलब्ध कराएंगे। किसानों के लिए अनेकों योजनाएं लागू की गई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने पशुपालन से किसानों की आय बढ़ाने के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना की शुरुआत की है। प्रदेश में दूध उत्पादन को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का संकल्प लिया है। कामधेनु योजना में 25 गाय पालने पर 40 लाख रुपए प्रति इकाई स्थापित करने की योजना में राज्य सरकार ने 10 लाख का अनुदान देने का निर्णय लिया है। किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य दिलवाने के लिए भावांतर भुगतान योजना से सोयाबीन पर लाभ दिया गया है। अब सरसों की फसल को भी भावांतर योजना में शामिल किया है। राज्य सरकार ने गेहूं उत्पादक किसानों को इस वर्ष समर्थन मूल्य पर 40 रुपए प्रति क्विंटल बोनस दिया है।

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान 10वीं बोर्ड का रिजल्ट घोषित, लड़कियों ने फिर मारी बाजी

जयपुर। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (आरबीएसई) ने मंगलवार को 10वीं परीक्षा के नतीजे जारी कर दिए। इस साल का परिणाम न केवल रिकॉर्ड समय में आया है बल्कि सफलता के आंकड़ों ने भी नया कीर्तिमान स्थापित किया। कुल 94.23फीसदी विद्यार्थियों ने इस कठिन परीक्षा को पास कर अगली कक्षा में कदम रखा है। एक बार फिर राजस्थान की बेटियों ने साबित कर दिया कि वे किसी से कम नहीं हैं। बोर्ड द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक छात्राओं का पास 94.20फीसदी और छात्रों का 93.63फीसदी रहा। इस साल कुल 10,66,561 परीक्षार्थियों ने पंजीकरण कराया था जिनमें से छात्राओं का प्रदर्शन लड़कों की तुलना में बेहतर रहा है। रिजल्ट चेक करने के लिए बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर अपना रोल नंबर दर्ज करें और सबमिट बटन दबाएं। आपकी मार्कशीट स्क्रीन पर आ जाएगी। एसएमएस के जरिए भी रिजल्ट देख सकते हैं। छात्र अपने आधार नंबर और रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से डिजिलॉकर ऐप में लॉगिन करके अपनी डिजिटल प्रोविजनल मार्कशीट सुरक्षित रूप से डाउनलोड कर सकते हैं। बोर्ड के नियमों के मुताबिक सफल होने के लिए हर विषय में कम से कम 33फीसदी अंक लाना अनिवार्य है। जो छात्र एक या दो विषयों में 33फीसदी का आंकड़ा नहीं छू पाए हैं उन्हें बोर्ड सप्लीमेंट्री परीक्षा के जरिए पास होने का एक और मौका देगा। इसकी तारीखों का ऐलान जल्द ही किया जाएगा।

जोमैटो के बाद अब स्विगी से खाना मंगाना हुआ मंहगा, प्लेटफॉर्म फीस बढ़ी

मुंबई। फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी ने खाना ऑर्डर करने पर लगने वाली प्लेटफॉर्म फीस को 17 प्रतिशत बढ़कर 17.58 रुपए प्रति ऑर्डर किया है, जो पहले 14.99 रुपए थी। स्विगी एप के बिल के अनुसार, प्लेटफॉर्म फीस में करीब 17 प्रतिशत या 2.59 रुपए का इजाफा हुआ है। कंपनी का कहना है कि यह वृद्धि प्लेटफॉर्म के संचालन और रखरखाव में मदद करने के उद्देश्य से की गई है। इसके पहले स्विगी ने अगस्त 2025 में प्लेटफॉर्म फीस में करीब 2 रुपए की वृद्धि की थी, जो कि पहले 12 रुपए थी। इससे पहले अन्य फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने प्लेटफॉर्म फीस में बढ़ोतरी की थी। जोमैटो ने प्लेटफॉर्म फीस में 19.2 प्रतिशत या 2.40 रुपए प्रति ऑर्डर का इजाफा किया था। बढ़ोतरी के बाद नई प्लेटफॉर्म फीस 14.90 रुपए प्रति ऑर्डर (जीएसटी से पहले) हो गई है, जो कि पहले 12.5 रुपए थी। जीएसटी सहित अब फीस 17.58 रुपए प्रति ऑर्डर हो गई है। प्लेटफॉर्म फीस में बढ़ोतरी तब हुई है, जब हाल ही में एलपीजी की कीमतों में इजाफा हुआ है, जिससे रेस्तरां की लागत में बढ़ोतरी देखी गई है। इससे पहले जोमैटो ने आखिरी बार सितंबर 2025 में प्लेटफॉर्म शुल्क में बदलाव किया था। इससे पहले, फरवरी 2025 में, जोमैटो ने त्यौहारी सीजन के दौरान प्लेटफॉर्म शुल्क को 6 रुपए प्रति ऑर्डर से बढ़ाकर 10 रुपए प्रति ऑर्डर कर दिया था।

राहुल का मोदी सरकार पर हमला, - बोले- विदेश नीति बनी 'निजी पॉलिसी'

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार की विदेश नीति पर तीखा हमला बोला है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि देश की विदेश नीति अब 'प्रधानमंत्री की निजी नीति' बनकर रह गई है, जिससे भारत की वैश्विक स्थिति प्रभावित हो रही है। संसद परिसर में मीडिया से बातचीत के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि यदि प्रधानमंत्री 'कमजोर' हैं, तो देश की विदेश नीति भी कमजोर हो जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत की नीति अब स्वतंत्र नहीं रह गई है और अमेरिका तथा इजरायल के प्रभाव में काम कर रही है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि मौजूदा हालात केवल शुरुआत हैं और आने वाले समय में देश को कई आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने पेट्रोल, एलपीजी और अन्य जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति पर भी असर पड़ने की आशंका जताई।

लालू को फिर झटका, दिल्ली हाई कोर्ट ने याचिका में कोई दम नहीं, ये कहकर खारिज की

नई दिल्ली। नई दिल्ली में स्थित दिल्ली हाई कोर्ट ने आरजेडी प्रमुख और पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव को लैंड-फॉर-जॉब्स मामले में बड़ा झटका देकर उनकी याचिका खारिज कर दी। याचिका में उन्होंने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो द्वारा दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की थी। अदालत ने साफ कहा कि याचिका में कोई दम नहीं है। इस फैसले से लालू यादव को फिलहाल कोई राहत नहीं मिली है और उनकी कानूनी मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं।

सुनवाई के दौरान लालू यादव के वकील ने दलील दी कि यह जांच गैर-कानूनी और दुर्भावनापूर्ण है और उनके मुवक्किल के निष्पक्ष जांच के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करती है। उन्होंने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए का हवाला देकर कहा कि बिना पूर्व मंजूरी के शुरू की गई जांच अवैध मानी जानी चाहिए। साथ ही यह भी तर्क दिया गया कि राजनीतिक प्रतिशोध के तहत कार्रवाई की जा रही है। हालांकि अदालत ने इन दलीलों को स्वीकार नहीं किया।

यह मामला 2004 से 2009 के बीच का है, जब लालू प्रसाद यादव केंद्र सरकार में रेल मंत्री थे। आरोप है कि उस दौरान रेलवे में ग्रुप-डी की नौकरियां देने के बदले लोगों से जमीन ली गई। जांच एजेंसियों के अनुसार, जिन व्यक्तियों को नौकरी दी गई, उन्होंने या उनके परिवार के सदस्यों ने जमीन लालू यादव के परिवार या करीबी लोगों के नाम बहुत कम कीमत पर ट्रांसफर की।

अस्तित्व बचाने के लिए तीन बच्चे जरूरी : भागवत

मथुरा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने भारत में घुसपैठ को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए लोगों से संदिग्ध अवैध प्रवासियों की जानकारी अधिकारियों को देने और यह सुनिश्चित करने का आह्वान करते हुए कहा है कि ऐसे लोगों को देश में रोजगार न मिले।

यूपी के मथुरा जिले के वृंदावन के रुक्मिणी विहार स्थित नव-निर्मित 'जीवनदीप आश्रम' का लोकार्पण करने के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने अमेरिका और चीन जैसे देशों की 'आक्रामक' प्रवृत्ति की निंदा की और भारत को अन्य दृष्टिकोणों के प्रति अधिक उदार बताया। संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि अस्तित्व बचाने के लिए तीन बच्चे जरूरी हैं और घर वापसी करने वालों का स्वागत हो। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि यदि ऐसे उपाय लागू किए जाएं तो पांच से दस वर्षों में स्थिति में सुधार संभव है और घटती जन्म दर स्थिर हो सकती है। संघ प्रमुख ने तीन संतान नीति पर जोर देते हुए कहा कि उच्च जन्म दर आवश्यक है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर परिवार के स्वास्थ्य के लिए तीन बच्चों की सलाह देते हैं, क्योंकि बचपन में होने वाले मेलजोल से बच्चों में सामाजिक कौशल और समूह में सामंजस्य स्थापित करने की क्षमता विकसित होती है। उन्होंने जनसंख्या संबंधी अध्ययनों का हवाला देते हुए कहा कि तीन से कम प्रजनन दर दीर्घकालिक जोखिम पैदा कर सकती है।

उन्होंने कहा कि कम जन्म दर वाले कई देशों ने अपनी जनसंख्या वृद्धि दर तीन से ऊपर ले जाने के प्रयास किए हैं। परिवारों को दो बच्चों तक सीमित रहने के बजाय तीन बच्चों का लक्ष्य रखना चाहिए। हालांकि, कोई भी नीति बनाते समय जनहित सर्वोपरि होना चाहिए। भागवत ने जबरन धर्मांतरण को रोकने का आह्वान करते हुए कहा कि सरकार कानून बना सकती है, लेकिन समाज को भी इसे रोकने की जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने दावा किया कि अनेक धर्मांतरित लोग मूल रूप से हिंदू रहे हैं और यदि वे वापस आना चाहते हैं तो उनका स्वागत किया जाना चाहिए। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत के प्राचीन सांस्कृतिक मूल्य और सनातन परंपरा आज की 'अशांत दुनिया' में भी प्रासंगिक हैं और आश्रम इन मूल्यों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और अनेक संत-महात्मा भी उपस्थित थे।

देश के कई राज्यों में गुजरते मार्च में होगी बारिश और बर्फबारी

नई दिल्ली। देश के पहाड़ी राज्यों में बारिश-बर्फबारी और मैदानी राज्यों में भी हल्की से तेज बारिश का असर है। राजस्थान में एक हफ्ते से बारिश और तेज हवा का अनुमान है। जो मार्च के अंत तक जारी रह सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक 26 से 31 मार्च के बीच राज्य में दो अलग-अलग ?वेदर सिस्टम सक्रिय होने वाले हैं। मध्यप्रदेश में साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम का असर है। इसके कारण राज्य के उज्जैन, सागर, ग्वालियर-चंबल संभाग में बादल छाए। इसके कारण दिन के तापमान में गिरावट आई। 26-27 मार्च से आंधी-बारिश की संभावना है। उत्तर प्रदेश में नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ सहित 10 जिलों में बारिश हुई। यहां तापमान सामान्य से 10 डिग्री सेल्सियस या उससे भी नीचे रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक 26 मार्च से एक और वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय होगा। इससे 3-4 दिन तक पूरे प्रदेश में फिर बारिश हो सकती है। 25 मार्च को अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बिजली गिरने की आशंका है। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, बंगाल और सिक्कि म में हल्की बारिश की संभावना। वहीं 26 मार्च को मध्य भारत, बिहार, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में हल्की बारिश की संभावना है।

जनहित याचिका की लिस्टिंग में अप्रत्याशित देरी, सुप्रीम कोर्ट ने कहा-अदालत में कुछ गड़बड़ चल रहा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी रजिस्ट्री की कार्यप्रणाली सवाल उठा दिए हैं। मामला जनहित याचिका (पीआईएल) से जुड़ा है, इस याचिका को अगली सुनवाई के लिए एक साल से भी ज्यादा समय से लटका रखा गया है। संबंधित पीआईएल पर आखिरी सुनवाई बीते साल फरवरी में हुई थी और इसके बाद सुप्रीम कोर्ट की बेंच के सामने मामला आया ही नहीं है। जबकि, सुप्रीम कोर्ट ने संबंधित पीआईएल पर पिछले साल 17 मार्च को ही सुनवाई का आदेश दिया था।

मामला विदेशी क्रेडिट कंपनियों से जुड़ा है, जिन पर आरोप

है कि वे बिना भारतीय उपभोक्ताओं की सहमति के ही उनके गोपनीय वित्तीय डेटा जुटते हैं। मामले पर भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री पर ही गंभीर सवाल उठाकर तीखी टिप्पणी की है।

सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम.पंचोली की बेंच ने पीआईएल को अगली सुनवाई के लिए लिस्टिंग में की गई अप्रत्याशित देरी पर कहा, इस अदालत में कुछ बहुत गड़बड़ चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने रजिस्ट्रार (जुडिशल) से रिपोर्ट दर्ज करने का निर्देश देकर 10 अप्रैल को अगली सुनवाई की तारीख तय की है। सुप्रीम कोर्ट ने सख्त होकर कहा कि रजिस्ट्रार (जुडिशल) को निर्देश दिया जाता है कि फरवरी 2025 के बाद इस मामले को लिस्ट क्यों नहीं किया गया, इसपर एक रिपोर्ट दायर करें।

आज किसान साल में तीन फसलें ले रहा, इसलिए उनकी आय में कई गुना बढ़ोत्तरी हुई

नई दिल्ली। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान किसानों की आय दोगुनी करने के मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मोदी सरकार का पक्ष रखकर कई अहम बातें कही। उन्होंने दावा किया कि देश में कई किसानों की आय दोगुनी ही नहीं, बल्कि यह कई गुना बढ़ी है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि किसानों की आय सिर्फ दोगुनी ही नहीं हुई है बल्कि इसमें दो-तीन गुना तक इजाफा हुआ है और कुछ मामलों में यह आंकड़ा आठ गुना तक बढ़ गया है। इस मौके पर विपक्ष पर निशाना साधकर कहा कि पिछली सरकारों के समय गांवों में बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी थी। उन्होंने कहा, उस समय न बिजली थी, न पानी और न ही सड़कें थीं। मध्य प्रदेश का उदाहरण देकर बताया कि पहले वहां किसानों को सिर्फ एक ही फसल मिल पाती थी, क्योंकि बिजली की स्थिति बेहद खराब थी। उन्होंने कहा, बिजली आती कम थी, जाती ज्यादा थी।

संसद

आने वाला समय देश की बड़ी परीक्षा, 'टीम इंडिया' की तरह मिलकर करना होगा मुकाबला

ईरान जंग पर पीएम मोदी की चेतावनी, जारी रही लड़ाई तो होंगे गंभीर दुष्परिणाम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव को लेकर राज्यसभा में मंगलवार को 21 मिनट का महत्वपूर्ण बयान दिया। उन्होंने कहा कि यदि ईरान से जुड़ा संघर्ष, जिसमें अमेरिका और इजरायल शामिल हैं, लंबे समय तक जारी रहा तो इसके गंभीर वैश्विक दुष्परिणाम होंगे। पीएम मोदी ने चेताते हुए कहा कि आने वाला समय भारत के लिए भी एक बड़ी परीक्षा की घड़ी साबित होगा, जिससे निपटने के लिए मिलकर काम करना होगा।

उच्चसदन को संबोधित कर रहे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को चेताते हुए कहा, कि आने वाला समय भारत के लिए एक बड़ी परीक्षा साबित हो सकता है। उन्होंने राज्यों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों को 'टीम इंडिया' की भावना के साथ मिलकर काम करना होगा, जैसा कि कोविड-19 के दौरान किया गया था। पीएम मोदी ने कहा कि मौजूदा हालात का असर भारत के व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला पर पड़ रहा है। विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों के फंसने से स्थिति चिंताजनक हो गई है। उन्होंने बताया कि कई भारतीय क्रू सदस्य भी इन जहाजों पर मौजूद हैं और उनकी सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है। ऊर्जा और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर भी असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि हमारे व्यापार के रास्ते प्रभावित होने से गैस-तेल, फर्टिलाइजर्स जैसे जरूरी सामान की सप्लाई पर असर पड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पेट्रोल-डीजल, गैस और उर्वरकों की सप्लाई प्रभावित हो रही है। इससे निपटने के लिए सरकार ने सात एम्पॉवर्ड ग्रुप बनाए हैं, जो सप्लाई चेन, महंगाई और जरूरी संसाधनों की उपलब्धता पर निगरानी रखेंगे।

सत्र 2026-27 के लिए शासकीय सांदीपनि विद्यालय सुखतवा में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ, 30 मार्च अंतिम तिथि

सुखतवा। सत्र 2026-27 के लिए शासकीय सांदीपनि विद्यालय सुखतवा में प्रवेश प्रक्रिया 23 मार्च से औपचारिक रूप से प्रारंभ हो चुकी है, जो कि 30 मार्च तक जारी रहेगी। विद्यालय प्रबंधन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि सभी प्रवेश पूरी तरह से निर्धारित नियमों एवं दिशा-निर्देशों के अनुसार ही किए जाएंगे।

विद्यालय में प्रवेश केवल रिक्त सीटों के आधार पर ही दिया जाएगा। इसके साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि सांदीपनि विद्यालय में प्रवेश के लिए वही विद्यार्थी पात्र होंगे, जो निर्धारित कैचमेंट क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले शासकीय विद्यालयों में वर्तमान में अध्ययनरत हैं। इस नियम के तहत निजी विद्यालयों या कैचमेंट क्षेत्र से बाहर के विद्यार्थियों को प्रवेश का लाभ नहीं मिल सकेगा।

विद्यालय प्रशासन ने जानकारी दी है कि यदि निर्धारित सीटों की संख्या से अधिक आवेदन प्राप्त होते हैं, तो चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रखने के लिए लॉटरी सिस्टम अपनाया जाएगा। इस प्रक्रिया के माध्यम से ही विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा, ताकि सभी पात्र आवेदकों को समान अवसर मिल सके। किसी भी परिस्थिति में विद्यालय द्वारा तय सीटों से अधिक प्रवेश नहीं दिए जाएंगे।

कक्षा 6वीं, 9वीं एवं 11वीं में प्रवेश के संबंध में विशेष प्रावधान भी निर्धारित किए गए हैं। इन कक्षाओं में सबसे पहले कैंपस एंकर विद्यालय के विद्यार्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। यदि इन विद्यार्थियों के प्रवेश के बाद भी सीटें रिक्त रह जाती हैं, तो ऐसी स्थिति में अन्य शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत पात्र विद्यार्थियों को नियमानुसार प्रवेश दिया जा सकेगा।

बाल चौपाल के तहत आंगनवाड़ी केंद्रों में मनाया गया बच्चों का जन्मदिवस

इटारसी। शहर के वार्ड क्षेत्र में संचालित आंगनवाड़ी केंद्रों पर बाल चौपाल कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों का सामूहिक जन्मदिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। यह आयोजन 23 मार्च को आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 47, 48, 89 एवं 75 में किया गया, जिसमें बच्चों के बीच विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी से जुड़े बच्चों का जन्मदिन मनाकर उन्हें विशेष महत्व दिया गया। इस अवसर पर वार्ड पार्षद श्रीमती सीमा भदौरिया ने बच्चों को उपहार वितरित कर उनका उत्साह बढ़ाया। बच्चों ने भी खुशी जाहिर करते हुए कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई। बाल चौपाल कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाना, उन्हें सामाजिक गतिविधियों से जोड़ना और प्रारंभिक स्तर पर शिक्षा एवं संस्कारों के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को खेल-खेल में सीखने और सामूहिक सहभागिता का अवसर मिलता है। इस आयोजन में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता राजनी भदौरिया, अमीना बी, सहायिका रचना शर्मा, करुणा तोमर, संवीता श्रीवास एवं सुषमा सहित अन्य कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

वर्षप्रतिपदा पर राष्ट्रभावना से ओतप्रोत नाट्य मंचन ने जीता जनमन

छिंदवाड़ा। हिन्दू नववर्ष वर्षप्रतिपदा के पावन अवसर पर सोमवार सायं 7 बजे पोला ग्राउंड, नागपुर रोड में एक भव्य एवं प्रेरणादायक नाट्य मंचन का आयोजन किया गया। यह नाटक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रथम सरसंघचालक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के जीवन पर आधारित था, जिसमें देशभक्ति, संगठन शक्ति और जनसेवा का जीवंत चित्रण प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर नगर के बड़ी संख्या में नागरिक अपने परिवारजनों एवं मित्रों सहित उपस्थित रहे और उन्होंने इस प्रेरणादायक प्रस्तुति का आनंद लिया। सुप्रसिद्ध कलाकारों द्वारा मंचित इस नाटक ने दर्शकों के हृदय में राष्ट्रप्रेम की भावना को और प्रबल किया। कार्यक्रम का निर्माण नादब्रह्म संस्था नागपुर द्वारा किया गया, जिसने अपने सशक्त निर्देशन और उत्कृष्ट प्रस्तुति से सभी को प्रभावित किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कलेक्टर हरेंद्र नारायण, जिला पंचायत सीईओ अग्रिम कुमार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग संघचालक भजनलाल चोपडे, सह प्रांत प्रचारक श्रवण सैनी, सह प्रांत संपर्क प्रमुख उदय परांजपे, शेषराव यादव भाजपा जिलाध्यक्ष ,निर्माता पद्माकर धनोरकर , सहित अंशुल शुक्ला, विवेक पोफली एवं अन्य गणमान्य नागरिक, मातृशक्ति एवं बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित रहे। इस आयोजन ने न केवल सांस्कृतिक चेतना को जागृत किया, बल्कि समाज में राष्ट्रहित और सेवा भाव के संदेश को भी सशक्त रूप से प्रसारित किया।

मप्र आंचलिक साहित्यकार परिषद की काव्य गोष्ठी चौरई के ग्राम उदादौन में

छिंदवाड़ा। म.प्र. आंचलिक साहित्यकार परिषद छिंदवाड़ा की मासिक काव्य गोष्ठी चौरई के ग्राम उदादौन में रहेश वर्मा के निवास पर आयोजित की गई । काव्य गोष्ठी में पूर्व आकाशवाणी उद्घोषक व परिषद अध्यक्ष अवधेश तिवारी ने रेल गाड़ी की यात्रा के माध्यम से जीवन-यात्रा के दर्शन का कुछ यों बखान किया ÷मेरो स्टेशन आ गओ रे, छुक छुक मेरे प्राण चले÷, ÷अनंत उर्मियां उठी, असीम के प्रवाह में÷ ÷काया है आनी जानी÷। गोष्ठी के अध्यक्ष प्रो. अमर सिंह ने कविता के कथानक पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ÷कविता लोकहितैषी जज्बातों के शब्दों की लौ है÷, जो नाशवान जगत में अमरता के स्वर रचती है। वरिष्ठ कवि नंदकुमार दीक्षित ने प्रदूषित वातावरण के विशुद्ध होने की कामना यों की ÷कलुषित मन के वातायन में, सुरभित पुष्प खिला दे÷। वरिष्ठ कवि रामलाल सराठे नकारात्मक शक्तियों के फन कुचलने पर अपने उद्गार यों व्यक्त किए ÷न उठा सके कोई रावण, देश को ऐसा राम दे÷। ठाकुर इन्द्रजीत सिंह ने होली मिलन की भेदभाव मिटाने की प्रासंगिकता को यों आवाज दी ÷डारो रंग, डारो रंग, गोरी के अंग पे डारो रंग÷। अनुभवी साहित्य समीक्षक अशोक जैन ने जीवन की वास्तविकता को समझने के लिए अपने उद्गार यूं व्यक्त किए ÷जिंदगी बियावान जंगल है, भटकने से बचना है÷। अनुराधा तिवारी ने अपनी छंदोमय कविता को एक हवा के अनेक असर को दर्शाती हुए अपनी रचना यों पढ़ी ÷हवा आग को भड़काती, दीपक को बुझाती है, नमक हाथों में लेकर, घावों पर लगाती है÷, वहीं मोहिता मुकेश जगदेव ने ÷कविता मेरी प्यारी बेटी है, जो मेरे तन से नही आत्मा के गर्भ से जन्मती है÷ एवं युवा कवयित्री पद्मा जैन ने सादगी की सार्वभौमिक सार्वकालिक और सार्वजनिक उपादेयता को रेखांकित करते हुए कहा ÷माना कि सादगी का दौर नहीं है, पर सादगी से बढ़कर भी कुछ और नहीं है।

इटारसी में आंगनवाड़ी केंद्रों पर 'विद्यारंभ' कार्यक्रम आयोजित, बच्चों का पारंपरिक स्वागत

5-6 वर्ष के बच्चों को विद्यालय प्रवेश के लिए किया प्रेरित, तिलक और पुष्प वर्षा से हुआ स्वागत, प्रमाण पत्र भी वितरित

इटारसी। महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत इटारसी परियोजना के वार्ड क्रमांक 18 एवं 19 में समस्त आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से विद्यारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 5 से 6 वर्ष आयु वर्ग के उन बच्चों के लिए आयोजित किया गया, जो आगामी शैक्षणिक सत्र में प्राथमिक विद्यालय में प्रवेश लेने जा रहे हैं।

कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा से औपचारिक विद्यालयी शिक्षा की ओर सहज रूप से जोड़ना रहा। इस अवसर पर बच्चों का उत्साहवर्धन करने, उनमें शिक्षा के प्रति रुचि विकसित करने तथा अभिभावकों को जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

वार्ड 18 एवं 19 में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बच्चों का पारंपरिक एवं उत्साहपूर्ण स्वागत तिलक लगाकर और पुष्प वर्षा के माध्यम से किया गया। विद्यारंभ समारोह के अंतर्गत बच्चों को प्रतीकात्मक रूप से पेंसिल, स्लेट एवं कॉपी प्रदान कर शिक्षा की शुरुआत कराई गई। साथ ही अक्षर लेखन गतिविधि के तहत बच्चों से 'अ, आ' एवं 'एबीसी' लिखवाया गया।

बच्चों ने रंग भरने, चित्र बनाने, कविता पाठ और लघु सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिससे उनमें आत्मविश्वास और सहभागिता की भावना विकसित हुई।

इसी क्रम में पात्र बच्चों को विद्यारंभ प्रमाण पत्र वितरित किए गए। यह प्रमाण पत्र नगर पालिका सभा पति (जल विभाग) एवं पार्षद गीता पटेल, अटल बाल पालक श्रीमती राखी दुबे तथा अन्य अतिथियों द्वारा मंच पर सम्मानपूर्वक प्रदान किए गए। प्रमाण पत्र वितरण के दौरान बच्चों का नाम पुकारकर उन्हें प्रोत्साहित किया गया तथा अभिभावकों को भी बधाई दी गई। कार्यक्रम के अंतर्गत बाल चौपाल गतिविधियों का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न खेल एवं सहभागिता आधारित गतिविधियां कराई गईं। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों में सामाजिक समन्वय, संप्रेषण कौशल और रचनात्मकता को बढ़ावा मिला तथा उन्हें सीखने का आनंददायक वातावरण प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आरती राजपूत, राधा मालवीय, कल्पना पटेल, भारती सैनी, किरण दुबे, प्रतिभा दुबे, रजनी बान, सरिता मसीह तथा सहायिकाएं मीना लोगरे, ललिता मस्की, प्रांजल सोनी, प्रतिज्ञा तिजारे, श्रद्धा मिर्धा सहित वार्ड के सभी हितग्राही उपस्थित रहे।

नर्मदापुरम में ही हो कमर्शियल वाहनों की फिटनेसः कांग्रेस ने आरटीओ को सौंपा ज्ञापन

नर्मदापुरम। जिले में कमर्शियल वाहनों की फिटनेस जांच को लेकर उत्पन्न हो रही समस्याओं के समाधान हेतु जिला कांग्रेस कमेटी ने क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवकांत गुड्डन पांडेय एवं परिवहन कांग्रेस प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष अजय मिश्रा (टप्पू भैया) के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने वाहन मालिकों की परेशानी को प्रमुखता से उठाया। ज्ञापन में बताया गया कि नर्मदापुरम जिले में कमर्शियल वाहनों की फिटनेस की व्यवस्था सुचारू रूप से नहीं होने के कारण वाहन मालिकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

वर्तमान में उन्हें अपने वाहनों की फिटनेस के लिए भोपाल स्थित एटीएस (ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन) भेजा जा रहा है, जिससे अनावश्यक आर्थिक बोझ और समय की बर्बादी हो रही है। कांग्रेस नेताओं ने बताया कि नर्मदापुरम से भोपाल की दूरी लगभग 90 किलोमीटर है, जबकि पिपरिया, बनखेड़ी, केसला और सुखतवा जैसे दूरस्थ क्षेत्रों से यह दूरी 150 किलोमीटर तक पहुंच जाती है। ऐसे में वाहन मालिकों को बार-बार भोपाल जाने में भारी खर्च उठाना पड़ रहा है, साथ ही उनका समय भी नष्ट हो रहा है, जिससे उनका व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवकांत गुड्डन पांडेय एवं अजय मिश्रा (टप्पू भैया) ने आरटीओ से आग्रह किया कि जब तक नर्मदापुरम में एटीएस की स्थापना नहीं हो जाती, तब तक कमर्शियल वाहनों की फिटनेस जांच की व्यवस्था स्थानीय स्तर पर ही सुनिश्चित की जाए, ताकि वाहन मालिकों को राहत मिल सके। कांग्रेस ने प्रशासन से इस विषय में शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपेक्षा जताई है, जिससे जिले के सैकड़ों वाहन मालिकों को अनावश्यक परेशानियों से बचाया जा सके।

भोपाल में प्रस्तावित सेना दिवस आयोजन प्रदेशवासियों को भारतीय सेना की समृद्ध परंपरा,

शौर्य और बलिदान से जोड़ने का होगा महत्वपूर्ण अवसरः उप मुख्यमंत्री

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल से निवास कार्यालय, भोपाल में थल सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने सौजन्य भेंट की। जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने आगामी वर्ष में भोपाल में आयोजित होने वाली सेना दिवस परेड के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। बैठक में सेना एवं राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी सहभागिता की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह आयोजन प्रदेश के लिए गौरव का विषय होने के साथ-साथ देशभक्ति, सैन्य सम्मान और जन-भागीदारी की भावना को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि भोपाल में प्रस्तावित सेना दिवस आयोजन प्रदेशवासियों को भारतीय सेना की समृद्ध परंपरा, शौर्य और बलिदान से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। इससे प्रदेश के युवाओं में सेना में शामिल होकर राष्ट्रसेवा करने की प्रेरणा भी मिलेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन सेना और नागरिक प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता और गौरव की भावना को भी सुदृढ़ करेंगे।

थल सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने बताया कि 15 जनवरी 2027 को भोपाल में भव्य सेना दिवस परेड आयोजित की जाएगी, जिसकी

भव्यता और स्वरूप नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित होने वाली गणतंत्र दिवस परेड के समान होगा। इस आयोजन के अंतर्गत परेड के साथ सैन्य प्रदर्शनी, सैन्य अभ्यास, शौर्य संध्या और विभिन्न आकर्षक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। साथ ही सेवानिवृत्त सैनिकों का सम्मान भी किया जाएगा।

बैठक में बताया गया कि कार्यक्रमों की शुरुआत 1 नवंबर 2026 को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस से 'मेरी माटी अभियान' के अंतर्गत की जाएगी। जनवरी 2027 में 7 से 12 जनवरी तक सैन्य प्रदर्शनी, 9, 11 एवं 13 जनवरी को परेड अभ्यास, 11 एवं 13 जनवरी को शौर्य संध्या अभ्यास तथा 11-12 जनवरी को बड़े तालाब में सैन्य गतिविधियां आयोजित होंगी। मुख्य परेड 15 जनवरी को प्रस्तावित मार्गों पर आयोजित की जाएगी, जबकि शौर्य संध्या और अन्य कार्यक्रम शहर के विभिन्न स्थलों पर संपन्न होंगे। बैठक में लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन, लेफ्टिनेंट जनरल अरविंद चौहान, लेफ्टिनेंट जनरल रंजीत सिंह, मेजर जनरल विकास लाल, ब्रिगेडियर नितिन भाटिया, कर्नल सौरभ कुमार, सन्नी जुनेजा, राजेश बंडले तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा शिक्षा और चिकित्सा सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए बजट की कमी नहीं: उप मुख्यमंत्री

भोपाल उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल की अध्यक्षता में अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय मेडिकल कॉलेज, विदिशा की सामान्य सभा की तीसरी बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। बैठक में मेडिकल कॉलेज में चिकित्सा सेवाओं की मजबूती, उच्च गुणवत्ता वाली मेडिकल शिक्षा, और ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करने के सम्बंध में विमर्श कर उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में उपाध्यक्ष सामान्य सभा एवं पशुपालन मंत्री और प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल, अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, श्री अशोक बर्नवाल, अध्यक्ष कार्यकारिणी समिति श्री मयंक अग्रवाल, संचालक चिकित्सा शिक्षा डॉ. अरुणा कुमार, डीन मेडिकल कॉलेज विदिशा डॉ. मनीष निगम सहित सामान्य सभा के सदस्य एवं विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

उपलब्ध संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग सुनिश्चित कर लक्षित परिणामों को प्राप्त करने के दिए निर्देश

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि शासन का लक्ष्य ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाना, उच्च गुणवत्ता वाली मेडिकल शिक्षा देना और विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाओं का सतत प्रवाह सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में टेलीमेडिसिन जैसी आधुनिक तकनीकों का अधिकतम उपयोग करके ग्रामीण मरीजों को विशेषज्ञों तक पहुंचाने के प्रयास किए जाएँ एवं प्रगति की नियमित समीक्षा की जाये। उन्होंने कहा कि टेलीमेडिसिन के माध्यम से ग्रामीण और अंडरसरव्ड क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएँ आसानी से उपलब्ध कराई जा सकती हैं। इससे मरीजों को समय पर निदान और उपचार मिलता है, अस्पताल आने की दूरी और खर्च कम होते हैं, और स्वास्थ्य सेवाओं का व्यापक कवरेज सुनिश्चित होता है। बताया गया कि शासकीय मेडिकल कॉलेज, विदिशा में बालरोग, स्त्रीरोग एवं प्रसूति, मेडिसिन और सर्जरी विभागों में यह सुविधा लगातार दी जा रही है, जिससे ग्रामीण इलाकों में चिकित्सकीय सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रिक्त पदों की प्राथमिकता से पूर्ति के निर्देश दिए, ताकि कॉलेज में प्रशासनिक और चिकित्सकीय कार्यों का सुचारु संचालन सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही, पूर्व वित्तीय वर्षों की ऑडिट रिपोर्ट, सामान्य परिषद की द्वितीय बैठक का पालन प्रतिवेदन, और कार्यकारिणी समिति के निर्णयों का अनुमोदन किया गया। कॉलेज के इन्फ्रास्ट्रक्चर सुधार के लिए ऑडिटोरियम निर्माण और हॉस्टल सुविधा के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मेडिकल म कॉलेज में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और चिकित्सा सेवाओं को मजबूत करने के लिए बजट की कोई कमी नहीं है। उपलब्ध बजट का विवेकपूर्ण उपयोग सुनिश्चित कर चिकित्सा सेवाओं का सुदृढ़ीकरण किया जाए।

मोहन सरकार का संवेदना से सशक्तीकरण तक का निर्णय है दिव्यांग शिक्षा में मानदेय वृद्धि

डा. मयंक चतुर्वेदी

समाज की वास्तविक प्रगति का मापदंड इस बात से तय होता है कि वह अपने सबसे कमजोर वर्गों के प्रति कितना संवेदनशील है। 'दिव्यांगजन' वे लोग हैं, जो जन्म से या जीवन की किसी दुर्घटना के कारण शारीरिक या मानसिक सीमाओं से जूझते हैं, परंतु उनके सपने, उनकी आकांक्षाएं और उनका आत्मसम्मान किसी भी सामान्य व्यक्ति से कम नहीं होता। ऐसे में जब डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश सरकार ने दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत अतिथि शिक्षकों के लिए 18 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय स्वीकृत किया, तब यह निश?चित तौर पर संवेदनशील शासन का जीवंत उदाहरण बन गया है। वस?तुत- यह निर्णय उन अनगिनत शिक्षकों और बच्चों के जीवन में आशा की नई किरण लेकर आया है, जोकि वर्षों से उपेक्षा और संघर्ष का सामना कर रहे थे।

देखाजाए तो 'दिव्यांगता' को अक्सर शारीरिक अक्षमता के रूप में देखा जाता है, जबकि यह उससे कहीं अधिक व्यापक सामाजिक और मनोवैज्ञानिक चुनौती है। एक दिव्यांग व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन में हर कदम पर बाधाओं का सामना करना पड़ता है; चाहे वह शिक्षा हो, रोजगार हो या सामाजिक स्वीकृति। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विश्व की लगभग 15 प्रतिशत जनसंख्या किसी न किसी रूप में 'दिव्यांगता' से प्रभावित है। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि यह कोई सीमित वर्ग न होकर एक बड़ा वैश्विक समुदाय है, जिसकी उपेक्षा मानवता के साथ अन्याय के समान है।

भारत और मध्य प्रदेश की स्थिति

भारत में 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग 2.21 प्रतिशत लोग दिव्यांग हैं, विशेषज्ञ मानते हैं कि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है। मध्य प्रदेश में भी यह प्रतिशत लगभग दो के आसपास है, जो लाखों लोगों के जीवन की वास्तविकता को दर्शाता है। इन आंकड़ों के पीछे छिपी सच्चाई एक यह भी है कि इन लाखों लोगों में अनेकों को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में समान अवसर प्राप्त नहीं हो पाते हैं। ऐसे में यदि सरकार इनकी शिक्षा पर विशेष ध्यान देती है, तब अवश?य ही सीधे उनके जीवन की दिशा बदलने जैसा बदलाव समय के साथ देखने को मिलता है। यह हमें स्वीकारना ही होगा कि एक दिव्यांग बालक या बालिका को शिक्षित करना सामान्य प्रक्रिया नहीं है। इसके लिए विशेष प्रशिक्षण, धैर्य, तकनीकी साधनों और व्यक्तिगत ध्यान की आवश्यकता होती है। एक शिक्षक को सिर्फ विषय पढ़ाने तक सीमित न रहते हुए बच्चे की मानसिक स्थिति, उसकी गति और उसकी विशेष आवश्यकताओं को समझकर शिक्षण करना पड़ता है। निश?चित ही यह कार्य अत्यधिक श्रमसाध्य और भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण है। इन परिस?थि?तियों में कहना होगा कि शिक्षकों का योगदान सेवा और समर्पण का अनुपम उदाहरण के रूप में सामने आता है।

शिक्षक बदलाव के वास्तविक नायक हैं

दिव्यांग शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत शिक्षक समाज के अनदेखे नायक होते हैं। वे बच्चों को अक्षरज्ञान कराने के साथ ही उन्हें आत्मनिर्भर बनने का साहस और आत्मविश्वास भी प्रदान करते हैं। वे हर दिन उन सीमाओं को चुनौती देते हैं, जिन्हें समाज ने 'असंभव' मान लिया है। किंतु जब लंबे समय तक इन्हीं शिक्षकों को कम मानदेय और अस्थिरता का सामना करना पड़ता है तब स?वभाविक है कि उनके मनोबल और इस क्षेत्र की गुणवत्ता दोनों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता ही है।

आज आप कह सकते हैं कि इस स?थि?ति में मध्य प्रदेश की डॉ. मोहन सरकार द्वारा 18 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय देने का निर्णय इस स्थिति को बदलने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह आर्थिक सहायता प्रदान करने के साथ ही शिक्षकों के कार्य को मान्यता और सम्मान भी देता है। यह तो सर्वमान?य बात है कि जब किसी शिक्षक को उसके कार्य के अनुरूप पारिश्रमिक मिलता है, तब वह अधिक समर्पण और ऊर्जा के साथ कार्य करता है। इससे शिक्षा की गुणवत्ता में भी स्वाभाविक रूप से सुधार होता है।इस निर्णय का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इससे दिव्यांग शिक्षा के क्षेत्र में योग्य और प्रशिक्षित लोगों को आकर्षित किया जा सकेगा। पहले कम वेतन के कारण इस क्षेत्र में आने से लोग हिचकिचाते थे, किंतु अब बेहतर मानदेय मिलने से यह क्षेत्र अधिक आकर्षक बन सकेगा। इससे इस क्षेत्र में शिक्षकों की संख्या बढ़ेगी और उनकी गुणवत्ता भी बेहतर होगी, जिसका सीधा लाभ बच्चों को मिलेगा।

समावेशी समाज की ओर मजबूत कदम

इसका एक पहलु ये भी है कि यह निर्णय सिर्फ शिक्षकों तक सीमित नहीं है, यह एक समावेशी समाज के निर्माण की दिशा में उठाया गया कदम है। जब दिव्यांग बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी तो वे भी समाज की मुख्यधारा में शामिल हो सकेंगे। वे आत्मनिर्भर बनेंगे, रोजगार प्राप्त करेंगे और समाज में अपनी पहचान स्थापित करेंगे।

मोहन सरकार की इस पहल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह दिव्यांगता के प्रति समाज के दृष्टिकोण में बदलाव को दर्शाती है। अब दिव्यांगजन को दया या सहानुभूति के पात्र के रूप में न देखकर अधिकार और अवसर के हकदार नागरिक के रूप में देखा जा रहा है। यह सोच आधुनिक और प्रगतिशील शासन की पहचान है और यही वास्तविक सामाजिक न्याय की नींव है।

अत- दिव्यांग शिक्षा में मानदेय वृद्धि, कह सकते हैं कि मध्य प्रदेश सरकार वह निर्णय है जोकि एक सकारात?मक विचारधारा का प्रतिनिधित्व करता है; वस?तुत- एक ऐसी विचारधारा, जिसमें हर व्यक्ति को समान अवसर और सम्मान देने की प्रतिबद्धता है। यह निर्णय आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक मजबूत और समावेशी समाज की नींव रखेगा। फिलहाल मोहन सरकार के इस निर्णय से यही आशा है।

चैत्र नवरात्र में हरसिद्धि मंदिर

तरावली कलां में लगी भक्तों की भीड़

प्रदीप कुमार

आज हरसिद्धि माता तरावली कलां में हजारों की संख्या में भक्तों ने करें दर्शन हरसिद्धि मंदिर न्यास समिति के अध्यक्ष भक्तपाल सिंह राठौड़ ने बताया की चमत्कारों की देवी मां हरसिद्धि का ये अद्भुत मंदिर हैं। यहां विराजमान हरसिद्धि माता के दरबार में जो भी अर्जी लगाता है वो जरूर पूरी हो जाती है। खास बात यह है कि इस दरबार में अपनी इच्छित मनोकामनाएं पूर्ण करने के लिए सीधी नहीं बल्कि उलटी परिक्रमा लगाई जाती हैं। मान्यता है कि यहां उलटी परिक्रमा लगाने वालों के बिगड़े काम भी बन जाते हैं।

तरावली स्थित मां हरसिद्धि धाम में वैसे तो सामान्य रूप से सीधी परिक्रमा ही करते हैं लेकिन कुछ श्रद्धालु मां से खास मनोकामना के लिए उलटी परिक्रमा कर प्रार्थना करते हैं,बाद में जब मनोकामना पूरी हो जाती है तब भक्त सीधी परिक्रमा कर माता को धन्यवाद देने आते हैं।

अनेक भक्तों को दिया संतान का आशीर्वाद।

मान्यता है कि जिन भक्तों को कोई भी संतान नहीं होती है। वह महिलाएं मंदिर के पीछे बांह नदी में स्नान करने के बाद मां की आराधना करती है। इसके बाद उनकी मनोकामना पूरी हो जाती है। बैरसिया के तरावली स्थित मां हरसिद्धि के प्रति लोगों की अगाध श्रद्धा है। यहां माता के धड़ स्वरूप की पूजा होती है, क्योंकि मां के चरण काशी में विराजमान है और शीष उज्जैन में। जितना महत्व काशी और उज्जैन का है उतना ही महत्व हरसिद्धि माता तरावली मंदिर का भी है।

30 अप्रैल तक बढ़ाओ ऋण तिथि, वरना सड़कों पर उतरेंगे किसान

प्रदीप कुमार बैरसिया

किसानों की आर्थिक बदहाली और नीतिगत विसंगतियों के खिलाफ किसान कांग्रेस भोपाल ग्रामीण ने सरकार के खिलाफ निर्णायक मोर्चा खोल दिया है।जिला ग्रामीण किसान कांग्रेस अध्यक्ष रामभाई मेहर के नेतृत्व में सैकड़ों किसानों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को डॉ. मोहन यादव के नाम ज्ञापन सौंपते हुए साफ चेतावनी दी— 30 अप्रैल तक ऋण जमा तिथि नहीं बढ़ाई गई तो प्रदेशभर में जबरदस्त आंदोलन होगा।

सरकार के 'कृषक कल्याण वर्ष' पर सवाल : किसान कांग्रेस ने सरकार के कृषक कल्याण वर्ष-2026 के दावों को जमीनी हकीकत से कोसों दूर बताते हुए आरोप लगाया कि नीतियां किसानों को राहत देने के बजाय संकट में धकेल रही हैं।

किसान कांग्रेस की चेतावनी, सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप

कर्ज में डूबेगा किसान, नहीं भर पाएगा ब्याज : रामभाई मेहर ने कहा कि सहकारी ऋण जमा करने की अंतिम तिथि 28 मार्च है

जबकि गेहूँ की MSP खरीदी 1 अप्रैल से शुरू होगी

ऐसे में किसानों को भुगतान अप्रैल के बाद मिलेगा, जिससे वे समय पर कर्ज नहीं चुका पाएंगे और ओवरड्यू व ब्याज के जाल में फंस जाएंगे।

मुख्य मांगें एक नजर में

ऋण जमा तिथि 30 अप्रैल 2026 तक बढ़ाई जाए : अमेरिका से टैक्स-फ्री सोयाबीन तेल आयात पर रोक लगे।ओलावृष्टि, बारिश और आग से नुकसान फसलों का तुरंत सर्वे और मुआवजा। गेहूँ की रस्क बढ़ाकर 4000 रुपये/क्विंटल की जाए। मंडियों में MSP पर पारदर्शी खरीदी सुनिश्चित होडीजल वितरण पर लगाए गए प्रतिबंध तुरंत वापस हों।

मंडी में गिरते दाम, बढ़ती लागत : बैरसिया मंडी में गेहूँ का भाव केवल 2200-2300 रुपये प्रति क्विंटल बताया गया, जो MSP से भी कम है। वहीं बीज, खाद, मजदूरी और सिंचाई की लागत लगातार बढ़ रही है, जिससे किसान दोहरी मार झेल रहे हैं।

आंदोलन होगा, पीछे नहीं हटेंगे : किसान कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि कोई भी किसान ब्याज या पेनाल्टी नहीं देगा। अगर मांगें नहीं मानी गईं तो प्रदेशभर में उग्र आंदोलन किया जाएगा।

बड़ी संख्या में जुटे किसान और नेता : ज्ञापन सौंपने के दौरान , लोकेश दांगी, मदन सिंह ठाकुर, कमलेंद्र सिंह सोलंकी, राजू धाकड़ ,अखंड प्रताप सिंह चंचल खत्री रघु यादव पप्पू भैया कुशवाह कमल सिंह गुर्जर परशुराम गुर्जर राज मेहर रुद्र प्रताप सिंह वीरेन्द्र दांगी अरुण सोलंकी पर्वत सिंह सिलावट बहादुर गुर्जर , राजकुमारी केवट सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी कार्यकर्ता और क्षेत्रीय किसान मौजूद रहे।

स्थिति गंभीर, सरकार की अग्निपरीक्षा : किसानों की बढ़ती नाराजगी अब खुलकर सामने आ चुकी है। यदि सरकार ने समय रहते समाधान नहीं निकाला, तो यह मुद्दा प्रदेशव्यापी आंदोलन का रूप ले सकता है।

अद्भुत आस्था का केंद्र नागेश्वरी माता मंदिर में सच्चे हर मनोकामना होती है पूर्ण

भोपाल। गोविंदपुरा क्षेत्र में हाट बाजार के समीप स्थित श्री नागेश्वरी माता मंदिर केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि श्रद्धा, विश्वास और चमत्कारों का जीवंत प्रतीक माना जाता है। लगभग 40 वर्ष प्राचीन यह मंदिर तमिल समाज द्वारा संचालित है और इसकी भव्य संरचना दक्षिण भारतीय शैली में तमिलनाडु के कुशल शिल्पकारों द्वारा निर्मित की गई है। मंदिर परिसर में भगवान गणेश, भगवान शिव और नवग्रह देवताओं के मंदिर स्थापित हैं, जहां प्रतिदिन प्रातः एवं सायंकाल विधि-विधान से पूजा-अर्चना होती है। मंदिर के शिखर पर विभिन्न देवी-देवताओं की सुंदर प्रतिमाएं विराजमान हैं, जो इसकी दिव्यता को और अधिक बढ़ाती हैं। स्थानीय श्रद्धालुओं के अनुसार, इस मंदिर में अनेक चमत्कार देखने को मिले हैं। मान्यता है कि कई भक्त गंभीर आर्थिक संकट, असाध्य रोगों और पारिवारिक परेशानियों से घिरे हुए यहां पहुंचे और माता से सच्चे मन से प्रार्थना की, जिसके बाद उनकी समस्याएं दूर हुईं और जीवन में सुख-शांति लौटी। कई श्रद्धालु मनोकामना पूर्ण होने

पर पुनः मंदिर आकर विशेष पूजा, अभिषेक और भंडारे का आयोजन करते हैं। मंदिर में गणेश चतुर्थी, नवरात्रि, महाशिवरात्रि और शनि जयंती जैसे पावन पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाए जाते हैं, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित होते हैं। इन अवसरों पर मंदिर का वातावरण भक्तिमय हो जाता है। एक विशेष परंपरा के तहत, प्रत्येक वर्ष दिसंबर माह में 150 से 200 श्रद्धालु सामूहिक रूप से तीर्थ यात्रा पर भी जाते हैं, जो इस मंदिर की गहरी आस्था और एकजुटता का प्रतीक है।

श्रद्धालुओं का दृढ़ विश्वास है कि जो भी भक्त पूर्ण श्रद्धा और विश्वास के साथ यहां माता के चरणों में अपनी मनोकामना रखता है, उसकी हर इच्छा अवश्य पूर्ण होती है। यही कारण है कि श्री नागेश्वरी माता मंदिर आज भोपाल के प्रमुख चमत्कारी और ऐतिहासिक धार्मिक स्थलों में अपनी विशेष पहचान बनाए हुए है।

एकता पार्क में एक शाम बाबा साहेब अम्बेडकर के नाम का आयोजन 14 अप्रैल को

भोपाल। राजवेद राजहर्ष जनकल्याण समिति द्वारा द्वितीय वर्ष भी भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में इस बार एक शाम बाबा साहेब अम्बेडकर जी के नाम का आयोजन 14 अप्रैल को किया जा रहा है। कोलार स्थित राजहर्ष कॉलोनी के एकता पार्क में 14 अप्रैल को शाम 6 बजे से आयोजित इस कार्यक्रम में भोपाल के प्रसिद्ध गायक दीपक दीवाना एवं साथियों द्वारा सुपर हिट भीम गीतों द्वारा संगीतमय प्रस्तुति दी जाएगी7 राजवेद राजहर्ष जनकल्याण समिति के सचिव राजू पाटनकर एवं धीरज कवाड़े ने बताया कि हर वर्ष डॉ बी आर अम्बेडकर जी जयंती धूमधाम से कॉलोनी के रहवासियों के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इस कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए समिति के अध्यक्ष मेजर गंगाधर आरक, ललित गौर, प्रहलाद ढोके, आत्माराम बौद्ध, राजेश मेश्राम, आर जी गौर, राजेश द्विवेदी, उमेश सहारे, कैलाश बुंदेला, अशोक पटेल, भोजराज मगरदे, दुर्गादास देशमुख, बृजेश रघुवंशी, पवन सैनी, एस एस कन्थले, शेष राव पाटिल, पी डोंगरे, रंतन लोखंडे, रंजीत कलाम सहित सदस्यों और रहवासी समिति के सहयोग से विशेष तैयारियां की जा रही है।

शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि सिद्धांतों पर चलने की अपील : रोहित सिंह

भोपाल। भगवा पार्टी द्वारा महान क्रांतिकारियों भगत सिंह, सुखदेव थापर एवं शिवराम राजगुरु को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनके बलिदान को याद करते हुए देशभक्ति का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में पार्टी के भोपाल जिला अध्यक्ष रोहित सिंह ने शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि इन महान स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने आम जनमानस से अपील की कि शहीदों के बताए गए सिद्धांतों पर चलकर ही देश की रक्षा और उन्नति संभव है। उन्होंने आगे कहा कि युवाओं को विशेष रूप से इन क्रांतिकारियों के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम में पार्टी के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर शहीदों को नमन किया। इस दौरान जला संगठन मंत्री, पंकज साहू, जिला सचिव अंकित सिंह, जिला सचिव रंजीत सूर्यवंशी,वरिष्ठ समाज सेवी संतोष सेन,नाग मंदिर महंत राजू बाबा, गोविंदपुरा मंडल अध्यक्ष जीतू कुशवाहा, धर्मेन्द्र कटारे उपस्थित रहे।

भेरूंदा में 27 मार्च को निकलेगा भव्य रामनवमी चल समारोह, महाआरती में उमड़ेगा श्रद्धालुओं का सैलाब

भेरूंदा से संवाददाता

भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी के पावन अवसर पर भेरूंदा नगर में भव्य चल समारोह निकाला जाएगा। 27 मार्च को आयोजित होने वाले इस धार्मिक आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। चल समारोह का शुभारंभ प्रात: 10 बजे गायत्री मंदिर भेरूंदा से किया जाएगा। इसके बाद यह भव्य शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरेगी। यात्रा के दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा स्वागत, पूजन एवं पुष्पवर्षा की जाएगी। 'जय श्रीराम' के जयघोष और भजनों की मधुर ध्वनि से पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में रंग जाएगा। चल समारोह के समापन पर छोटा बाजार स्थित श्रीराम मंदिर में भव्य महाआरती का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर भगवान श्रीराम की आराधना करेंगे। आयोजन का संचालन नव युवक पारायण समिति द्वारा किया जा रहा है। समिति ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं से परिवार सहित कार्यक्रम में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

सिविल सेवा परीक्षा में 44वीं रैंक प्राप्त कर चौरसिया समाज का नाम रोशन किया

भोपाल। सविल सेवा परीक्षा (आईएएस) 2025 में 44वीं रैंक प्राप्त कर चौरसिया समाज को गौरवान्वित करने वाली होनहार बिटिया दीक्षा चौरसिया के भोपाल आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। चौरसिया समाज भोपाल एवं चौरसिया तंबोली समाज विकास परिषद द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पूरन चौरसिया (राष्ट्रीय संगठन मंत्री) ने कहा कि यह पूरे समाज के लिए अत्यंत गौरव की बात है और दीक्षा की सफलता आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा है। समिति द्वारा दीक्षा चौरसिया एवं उनके पिता रवि प्रसाद चौरसिया का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में गौरव चौरसिया, रमेश चंद चौरसिया, मुन्नालाल चौरसिया, निधि चौरसिया, विनोद चौरसिया, लक्ष्मण चौरसिया, सीताराम चौरसिया, दशरथ चौरसिया, शंकर चौरसिया, कैलाश चौरसिया, प्रियंका चौरसिया, नीलम चौरसिया, दुर्गेश चौरसिया सहित अनेक सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

रामनवमी पर 7 स्थलों पर होगा प्राकट्य पर्व का आयोजन

भोपाल। श्रीरामनवमी के पावन अवसर पर नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से अवगत कराने के उद्देश्य से प्राकट्य पर्व का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार 27 मार्च, 2026 को सात स्थलों पर श्रीराम केन्द्रित नृत्य नाटिका, गायन सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का मंचन किया जाएगा। इनमें श्रीराम राम राजा मंदिर प्रांगण ओरछा धाम (निवाड़ी), भरत घाट ङ्क चित्रकूट (सतना), श्रीराम जानकी (पंचायती) मंदिर - शहडोल, मंगल भवन परिसर ङ्क उमरिया, जुगल किशोर मंदिर प्रांगण ङ्क पन्ना, सीतामढ़ी ङ्क कोतमा (अनूपपुर) और अहमदपुर ङ्क बरेली (रायसेन) पर कार्यक्रम सायं 7 बजे से प्रारंभ होगा और कार्यक्रम में सभी का प्रवेश निःशुल्क रहेगा। श्रीराम के सम्बन्ध में पौराणिक मान्यताओं के साथ स्थानीय स्तर पर भी अनेक आख्यान, जनश्रुतियां प्रचलित हैं, जो आम जनमानस में विश्वास के रूप में मान्य है। संस्कृति विभाग द्वारा श्रीराम जन्मोत्सव की गरिमा के अनुरूप, धार्मिक एवं पौराणिक मान्यताओं को दृष्टिगत रखते हुए 'प्राकट्य पर्व' का आयोजन किया जा रहा है। ओरछा धाम में होने वाले कार्यक्रम में सर्वप्रथम बुन्देली लोक गायन की प्रस्तुति सुश्री मुस्कान प्रजापति, छतरपुर द्वारा दी जाएगी। इसके बाद श्रीराम केन्द्रित नृत्य नाटिका सुश्री माण्डवी अजय आरोणकर, भोपाल के निर्देशन में होगी।

विदिशा शिक्षा विभाग की कछुआ चाल- काउंसलिंग के 6 माह बाद भी आदेश गुम, शिक्षकों का फूटा गुस्सा!

सिरोंज/विदिशा।

कहते हैं सरकारी तंत्र में फाइलें अक्सर धूल फांकती हैं, लेकिन विदिशा जिला शिक्षा विभाग ने तो इंतजार की नई परिभाषा ही लिख दी है। करीब 6 माह पहले बड़े ताम-झाम के साथ आयोजित की गई जनशिक्षक और बीएसी पदों की काउंसलिंग अब तक आदेशों की शक्ल नहीं ले पाई है। आलम यह है कि चयनित शिक्षक आदेश की बाट जोह रहे हैं और विभाग कुंभकरणी नींद में सोया हुआ है।

पड़ोसी जिले सुपरफास्ट, विदिशा पैसेंजर से भी सुस्त : हैरानी की बात तो यह है कि विदिशा के साथ ही पड़ोसी जिलों जैसे रायसेन और अशोकनगर में भी यही प्रक्रिया शुरू हुई थी। वहां न केवल काउंसलिंग हुई, बल्कि महीनों पहले आदेश जारी कर नियुक्तियां भी कर दी गईं। अब सवाल यह उठता है कि क्या विदिशा जिले के अफसरों के लिए नियम अलग हैं या फिर इच्छाशक्ति की भारी कमी?

एक कंधे पर दो बोझ- व्यवस्था का निकला दम : आदेश जारी न होने का खामियाजा केवल शिक्षकों को ही नहीं, बल्कि पूरी शिक्षा व्यवस्था को भुगतना पड़ रहा है।

ओवरलोडेड जनशिक्षक- वर्तमान में कई जनशिक्षकों को जबरन बीएसी का अतिरिक्त प्रभार थमा दिया गया है।

दोहरी मार- एक ही व्यक्ति दो-दो पदों का काम संभाल रहा है, जिससे न तो जनशिक्षण का काम ठीक से हो पा रहा है और न ही ब्लॉक स्तर की मॉनिटरिंग।

बढ़ती अव्यवस्था- इस एडहॉक कल्चर की वजह से जमीनी स्तर पर प्रशासनिक अराजकता फैल रही है।

शिक्षकों में भारी आक्रोश- 29 सितंबर 2025 को हुई काउंसलिंग के बाद से ही शिक्षक उम्मीद लगाए बैठे थे कि जल्द ही नई जिम्मेदारी मिलेगी। लेकिन समय बीतने के साथ यह उम्मीद अब गुस्से में बदल चुकी है। शिक्षकों का कहना है कि अगर विभाग को आदेश जारी ही नहीं करने थे, तो काउंसलिंग का यह चुनावी ढोंग क्यों रचा गया?

जब पड़ोसी जिलों में नियुक्तियां हो सकती हैं, तो विदिशा में फाइलें क्यों अटकी हैं? क्या अधिकारी किसी विशेष मुहूर्त का इंतजार कर रहे हैं?

आक्रोशित शिक्षक समूह : हम उनकी काउंसलिंग दोबारा कर आएंगे जिसमें पुराने को हटाया जाएगा नए की भर्ती की जाएगी

-जिला शिक्षा अधिकारी शिशुपाल जाटव

प्रसन्नता बाहर नहीं, भीतर की संतुष्टि और चेतना का प्रकाश है - योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। प्रसन्नता मन की वह अवस्था है जहाँ संतोष और शांति का अनुभव होता है। यह बाहरी वस्तुओं से अधिक हमारे भीतर की स्थिति पर निर्भर करती है। सच्ची प्रसन्नता आत्मस्वीकृति और संतुलित जीवन से उत्पन्न होती है। योग और ध्यान प्रसन्नता को स्थायी बनाने में सहायक होते हैं। जब मन वर्तमान में रहता है, तब ही वास्तविक खुशी का अनुभव होता है। लोभ, क्रोध और ईर्ष्या प्रसन्नता के सबसे बड़े शत्रु हैं। सरल जीवन और उच्च विचार प्रसन्नता का आधार हैं। दूसरों की मदद करना और करुणा रखना मन को आनंदित करता है। प्रसन्न व्यक्ति हर परिस्थिति में सकारात्मक दृष्टिकोण रखता है। स्वास्थ्य और प्रसन्नता का गहरा संबंध है। नियमित प्राणायाम और आसन मानसिक शांति प्रदान करते हैं। कृतज्ञता का भाव प्रसन्नता को कई गुना बढ़ा देता है। सच्ची प्रसन्नता भीतर से आती है, बाहर से नहीं। जो व्यक्ति स्वयं में संतुष्ट है, वही वास्तव में खुश है। प्रसन्नता जीवन को सुंदर और सार्थक बनाती है। छोटी-छोटी बातों में खुशी ढूँढना एक कला है। सकारात्मक संगति प्रसन्नता को बढ़ाती है। आत्मिक जागरूकता से स्थायी आनंद की प्राप्ति होती है। प्रसन्नता ही जीवन का सच्चा धन है। इसलिए हर परिस्थिति में मुस्कुराना और प्रसन्न रहना सीखना चाहिए।

अंतर्राष्ट्रीय साहित्य महोत्सव में सौ से अधिक साहित्यकारों, समाजसेवियों ने प्रतिभागिता की

भोपाल। नागपुर में वामा मंच द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय साहित्य महोत्सव में रायसेन निवासी महर्षि शिक्षा संस्थान, भोपाल में कार्यरत कुंवर इंद्रजीत सिंह की कृति पुष्पांजलि के संशोधित संस्करण का विमोचन किया गया। इस अवसर पर पद्मश्री धारक हस्तियों में डॉक्टर जनक पलटा मगलिगन, इंदौर मध्यप्रदेश से और सुश्री शमशाद बेगम बलौदा छत्तीसगढ़ से, अंतरराष्ट्रीय कवयित्री डॉक्टर कीर्ति काले दिल्ली से, सुश्री नीतू गुजराल सिंगापुर से पधारी। अन्य हस्तियों में नागपुर से प्रतिष्ठित सीए डॉक्टर तेजिन्दर सिंह रावल और सुश्री श्वेताली ठाकरे जी उपस्थित रहे। सृजन बिंब प्रकाशन, नागपुर की निदेशक सुश्री रीमा दीवान चड्ढा जी के कुशल मार्गदर्शन में ये आयोजन सम्पन्न जिसमें सौ से अधिक साहित्यकारों, समाजसेवियों ने प्रतिभागिता की और विभिन्न सत्रों में अपने विचार व्यक्त किए। इस कृति पुष्पांजलि में मैंने कुछ नवीन गीत शामिल किए हैं जो दस महाविद्या पर आधारित हैं। महाकाली से लेकर मां कमला तक दस गीत और महादेव को समर्पित कुछ प्रतीकात्मक गीत नंदी से लेकर कैलाश तक समाहित है। नव रात्रि की पूर्व संध्या पर प्रकाशित ये कृति आध्यात्मिक रुझान वाले पाठकों को प्रेरित करेगी। शीघ्र ही इन गीतों की संगीतमय प्रस्तुति का प्रयास होगा।

संपादकीय

अस्पतालों में लग रही है आग, लापरवाही की कीमत चुका रहे हैं मरीज

किसी भी सरकारी या निजी अस्पताल में मरीज प्राय- अपने जीवन की रक्षा के लिए जाते हैं, लेकिन जब वहीं उनकी जान जोखिम में पड़ जाए, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी है? चिकित्सा को व्यवसाय बना कर देश में हर जगह खुल रहे अस्पतालों में जिस तरह सुरक्षा नियमों की अनदेखी की जाती है, उस पर सवाल उठना स्वाभाविक है। दिल्ली से लेकर कोलकाता, झांसी, अहमदाबाद और जयपुर तक सभी जगहों पर आग लगने की घटनाओं में मरीजों की मौत की वजह अग्निशमन संबंधी सुरक्षा मानकों में घोर लापरवाही पाई गई। ओडिशा के कटक में रविवार देर रात राज्य सरकार द्वारा संचालित एससीबी मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में भीषण आग मरीजों के लिए सबसे सुरक्षित सघन चिकित्सा कक्ष में लग गई और उसमें कम से कम दस मरीजों की मौत हो गई और ग्यारह चिकित्सा कर्मचारी झुलस गए। यह तब है जबकि मुख्यमंत्री ने कुछ महीने पहले ही राज्य के सभी चिकित्सा संस्थानों को आग से बचाव के उपाय करने की हिदायत दी थी। सवाल है कि क्या वहां अग्नि सुरक्षा के बुनियादी मानकों का भी पालन नहीं किया जा रहा था? इस लापरवाही की जवाबदेही किसकी है? यह दुखद है कि अस्पतालों में आग लगने की घटनाओं से कभी सबक नहीं लिया गया। कई जगहों पर तो आग से बचाव के साधन नहीं थे, तो कहीं आपातकालीन निकास की उचित व्यवस्था नहीं थी। यहां तक कि अग्निशमन सुरक्षा प्रमाणपत्र की मियाद निकल जाने पर भी न तो अस्पतालों को चेतावनी दी जाती है और न ही उन पर कोई कड़ी कार्रवाई होती है। छोटे शहरों से लेकर महानगरों तक अमूमन हर जगह निजी और छोटे अस्पताल बिना वैध लाइसेंस और सुरक्षा प्रमाणपत्र के चलते पाए जाते हैं। क्या ऐसा संबंधित महकमे की लापरवाही और अधिकारियों की सांठगांठ के बिना संभव हो सकता है? कायदे से सभी चिकित्सा संस्थानों में अग्नि से बचाव के साधनों की नियमित और सख्ती से जांच की जानी चाहिए। ऐसा न होने का ही नतीजा है कि ओडिशा में अति सुरक्षित सघन चिकित्सा कक्ष में भर्ती कई मरीजों की जान चली गई।

क्या पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम सवर्णों के राजनीतिक-सामाजिक भविष्य को तय करेंगे?

-कमलेश पांडे

देश के पश्चिम बंगाल समेत असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी जैसे 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, जिसके मतदान/परिणाम भाजपा नीत एनडीए की भावी रीति-नीति और सवर्णों के सामाजिक-राजनीतिक भविष्य को तय करेंगे। बताया जाता है कि यदि इन चुनावों को भाजपा नीत गठबंधन जीत जाता है तो वह ओबीसी-दलित वोटरों को रिझाने के लिए सवर्ण विरोधी एजेंडों को इत्मीनान पूर्वक धार देगा!

ऐसा इसलिए कि सामान्य जातियों से जुड़े सवर्ण वोटर ही भाजपा के कोर वोटर माने जाते हैं, लेकिन ओबीसी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के रहते हुए भी जिस तरह से सवर्ण विरोधी यूजीसी इक्विटी बिल लाया गया है, उससे सामान्य जातियों के लोग अर्थात सवर्ण समुदाय का एक बड़ा तबका अपनी मुख्य पार्टी भाजपा से काफी नाराज हैं और बदलती राजनीति के बीच वे किधर करवट लेंगे, यह बात पूरी तरह से चुनाव परिणाम आने के बाद ही पता चलेगा।

राजनीतिक मामलों के जानकार बताते हैं कि अपने हिंदुत्व के एजेंडे को धार देने के लिए भाजपा कांग्रेसी राज और समाजवादी राज की दलित, ओबीसी, अल्पसंख्यक व भाषाई क्षेत्र सम्बन्धी नीतियों को और अधिक धार दे रही है। आरक्षण, जातीय जनगणना, एससी-एसटी एक्ट से जुड़े पदोन्नति प्रावधान, कमाऊ मंदिर संचालन जैसी नीतियों में पहले की सरकारों में और अब की सरकार में कोई अंतर नहीं आया है। कोढ़ में खाज यह कि भाजपा अपने

हिंदुत्व के एजेंडे से भटकती प्रतीत हो रही है। ऐसे में सत्ता के जातीय, सांप्रदायिक और भाषाई-क्षेत्रवाद की मानसिकता में कोई बदलाव न देख देश का सामाजिक इंजन वर्ग यानी सवर्ण समुदाय भाजपा से काफी नाराज है और यूजीसी इक्विटी बिल ने आग में घी का काम किया है। चूंकि सवर्ण वोट कभी कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और इंडिया गठबंधन में शामिल क्षेत्रीय दलों का भी कोर वोट बैंक हुआ करता था, और इनकी दलित-ओबीसी आरक्षण व अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की नीतियों से आजिज होकर भाजपा के आकर्षक मंडल विरोधी कमण्डलवाद पर फिदा हो चुका था, वह मोदी-शाह युग में एक के बाद दूसरे झटके लगते रहने से सियासी विकल्प ढूंढ रहा है। चूंकि भाजपा नेतृत्व पूंजीपतियों के इशारे पर ब्राह्मण-राजपूत नेतृत्व को दरकिनार करते हुए ओबीसी-दलित नेतृत्व को मजबूत कर रहा है, इससे भी सवर्ण वर्ग में नाराजगी है। यही वजह है कि 5 राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और उसके सहयोगी दल भाजपा के खिलाफ पनपे सवर्ण प्रतिरोध को पूरी तरह से अंदर ही अंदर भुनाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि उनका दलित-ओबीसी-अल्पसंख्यक कोर वोट बैंक नाराज भी न हो और सवर्ण भी उनकी ओर लौट जाएं, ताकि अबतक की हारी हुई बाजी को पुनः जीता जा सके और यत्र तत्र जीती हुई बाजी को बरकरार रखाक जा सके! हालांकि, अब वे अपनी कोशिशों में कितने कामयाब होंगे, यह तो मतदान/मतगणना बाद ही पता चल पाएगा। वहीं, कतिपय राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि देश के पश्चिम बंगाल समेत असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी जैसे 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव के चुनाव परिणाम सवर्णों के सामाजिक-राजनीतिक भविष्य को तय नहीं करेंगे, भले ही भाजपा इन चुनावों में पश्चिम बंगाल और असम जीत जाए और तमिलनाडु, केरल व पुडुचेरी में पहले से ज्यादा मजबूत होकर जीते। क्योंकि यूजीसी इक्विटी बिल के बाद उपजे सवर्ण जनाक्रोश को डैमेज-कंट्रोल करने के लिए भाजपा-आरएसएस के रणनीतिकार जुट गए हैं, हालांकि उन्हें भी यह आशंका है कि ये चुनाव भाजपा के सवर्ण वोट बैंक के लिए महत्वपूर्ण परीक्षा की घड़ी हैं! वहीं, भाजपा की ओर कितने दलित-ओबीसी वोटर लौटते हैं, इससे भाजपा को सियासी तंदुरुस्ती मिलेगी। भाजपा की सवर्ण लॉबी का कहना है कि अब भी सवर्ण वोट पार्टी के कोर सपोर्टर बने हुए हैं, क्योंकि उनके पास भाजपा से उम्दा विकल्प मौजूद नहीं है। जबकि भाजपा अपनी चुनावी जीत के लिए दलित, आदिवासी और ओबीसी वोटों पर ही निर्भर करती है।

इसलिए वह सभी समुदायों के बीच राष्ट्रवादी तालमेल बिठाने में जुटी हुई है। वहीं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मुस्लिम देश, भारत के खिलाफ नहीं खड़े हों, इसलिए भाजपा ने भी कुछ बदलावों के साथ अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की नीतियों को अपना लिया है। मसलन, यदि 5 राज्यों में हो रहे चुनावों की चुनावी पृष्ठभूमि पर नजर डाली जाए तो 2026 में पश्चिम बंगाल की 294 सीटों के लिए मतदान 23-29 अप्रैल 2026 को होंगे। वहीं असम की 126 विधानसभा सीटों, तमिलनाडु की 234 विधानसभा सीटों, केरल की 140 विधानसभा सीटों और पुडुचेरी की 30 विधानसभा सीटों के लिए भी चुनाव होंगे। इन चुनावों में भाजपा मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल और असम पर फोकस कर रही है। क्योंकि जहां पिछले विधानसभा चुनाव 2021 में पश्चिम बंगाल में बीजेपी को 77 सीटें मिलीं थी। वहीं, असम में भाजपा की सत्ता बरकरार रहा गई थी और अभी वहां भाजपा सत्तारूढ़ पार्टी है। इसलिए, जहां तक पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में सवर्णों की भूमिका की बात है तो भाजपा को सवर्ण यानी ब्राह्मण, कायस्थ, वैद्य आदि से मजबूत समर्थन मिलता बताया जा रहा है। यद्यपि राष्ट्रीय स्तर पर सभी जातियों व धर्मों को मिलाकर 61त्न सवर्ण वोट हैं। वहीं पश्चिम बंगाल में भाजपा 5 प्रतिशत हिंदू वोट फॉर्मूला से सवर्णों को सनातनी के रूप में साध रही है। जबकि पश्चिम बंगाल में टीएमसी के नेतृत्व में सूबाई सत्ता के शीर्ष पर सवर्ण कायम हैं, जबकि जीत के पीछे अल्पसंख्यक-दलित-आदिवासी-ओबीसी वोट मुख्य हैं। इसलिए भाजपा भी पश्चिम बंगाल में सवर्णों को टीएमसी की सत्ता से खींचकर अपनी ओर करना चाहती है और ओबीसी-दलित-आदिवासी वोटरों को भी अपने पाले में करने में जुटी हुई है, जबकि अल्पसंख्यक वोटों के रायता फैलाने हेतु उसके गुप्त इशारे पर वहां की लोकल अल्पसंख्यक पार्टी ताल ठोक चुकी है। वहीं बंगाल अस्मिता का सवाल कितना मुखर होगा, घुसपैठियों का मुद्दा कितना रंग लाएगा, वह मतदान ट्रेंड और चुनाव परिणाम से ही पता चलेगा। वहीं, जहां तक पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत के परिणाम की बात है तो भाजपा की जीत से सवर्णों का राजनीतिक प्रभाव बढ़ेगा, लेकिन उनका सामाजिक भविष्य भाजपा की राष्ट्रीय नीतियों यथा-आरक्षण, जाति जनगणना आदि पर ही निर्भर करेगा।

अमेरिका-ईरान युद्ध से अब इंटरनेट सेवाओं पर संकट के बादल

-डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अमेरिका-इजरायल व ईरान युद्ध के चलते अभी विश्व के देश ऊर्जा संकट का समाधान तो निकाल ही नहीं पा रहे कि डिजिटल सेवाओं के बाधित होने के भय से दुनिया के देशों की सरकारों की जान सांसत में आने लगी हैं। इंटरनेट आज प्रमुख आवश्यकताओं में से एक हो गया है। एयर लाइंस, बैंकिंग सेवाएं, संचार व्यवस्था जिसमें संवाद कायम करने से लेकर सभी तरह की डिजिटल सेवाएं, स्टॉक मार्केट आदि आदि बुरी तरह से प्रभावित होने की संभावनाओं से नकारा नहीं जा सकता। आज इंटरनेट पर निर्भरता बहुत अधिक हो गई है। अमेरिका-ईरान युद्ध को जिस तरह से शुरुआती दौर में ट्रंप द्वारा हलके में लिया जा रहा था वास्तव यह ट्रंप की गलत फहमी ही रही। वैसे भी रुस यूक्रेन के युद्ध से ही अमेरिका को सबक लेना चाहिए था। दोनों देश पास पास होने और संसाधनों की दृष्टि से रुस अधिक ताकतवर होने के बावजूद आज तक कोई अंत नहीं दिखाई दे रहा। अमेरिका ईरान युद्ध के साइड इफेक्ट के रुप में अभी तो उर्जा संकट है पर जिस तरह के हालात बनते जा रहे हैं आने वाले समय में मध्य पूर्व के देशों में पेयजल और दुनिया के देशों के लिए इंटरनेट

सेवाओं के प्रभावित होने की संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता। दरअसल जिस तरह से कच्चे तेल और एलपीजी आदि की दुनिया के देशों में सप्लाई हार्मुज जलडमरुमध्य के रास्ते होने और ईरान द्वारा इस रास्ते में अवरोध बनने से उर्जा संकट गंभीर रुप लेता जा रहा हैं। ठीक यही समस्या इंटरनेट को लेकर हो सकती है। कारण साफ है। युद्ध समाप्ति या यों कहें कि सीज फायर के आसार अभी तक बनते नहीं लग रहे तो दूसरी और ज्यों ज्यों एक दूसरे को नुकसान पहुंचाने के अधिक प्रयास होंगे तो ईरान हथियार के रुप में समुद्र में बिछी केबल्स को भी नुकसान पहुंचाने में कोई गुरेज नहीं करेगा। दुनिया के इंटरनेट ट्रैफिक का प्रमुख रास्ता भी यही है। एक मोटे अनुमान के अनुसार 20 प्रतिशत ट्रैफिक हार्मुज और लालसागर के रास्ते से गुजरता है। हार्मुज जलडमरुमध्य तो हालात यहां तक है कि सकरे स्थान पर तो मात्र 200 फीट की गहराई पर ही सबमैरिन केबल लाईने बिछी हुई है। लगभग यही हालात लालसागर के हैं। वहां भी इंटरनेट सेवाओं के लिए सबमैरिन केबल्स बिछी हुई है। ऐसा कयास लगाया जा रहा है कि ईरान द्वारा हार्मुज जलडमरुमध्य क्षेत्र में सुरंगे बिछाने का काम किया जा रहा है और इससे अन्य नुकसान होने के साथ ही फाइबर केबल्स के भी क्षतिग्रस्त होने की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। अधिकांश प्रमुख सेवा प्रदाताओं ने इसी क्षेत्र में डेटा सेंटर स्थापित कर रखे हैं। जानकारों के अनुसार हार्मुज क्षेत्र से करीब 20 और लालसागर क्षेत्र से 17 केबल्स गुजरती है। 2024 में भी लाल सागर क्षेत्र में हूती हमलों के दौरान केबल प्रभावित हो चुकी है। वर्तमान हालातों में यदि सबमैरिन केबल्स प्रभावित भी होती है तो हालात जिस तरह के हैं उनमें प्रभावित केबल्स को ठीक करनों में महीनों ही क्या साल भी लग सकता है और ऐसे में दुनिया के देश एक नए संकट के दौर से गुजरने को मजबूर हो जाएंगे। इंटरनेट की दुनिया अभी छह दशक भी पूरे नहीं कर पाई है कि बड़ी समस्या सामने आ गई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि 1960 में जब जेसीआर लिकलाइडर ने वैश्विक नेटवर्क की कल्पना की थी उस समय यह सोचा भी नहीं होगा कि तीन से चार दशक में ही इंटरनेट संचार जगत में बड़ी क्रांति लाने में सफल हो जाएगा। 1969 में अमेरिकी रक्षा विभाग द्वारा एंडवास्ड रिसर्च प्रोजेक्टस एजेन्सी नेटवर्क के लिए विंट सर्फ और बॉब काह्न ने टीसीपी/आईपी प्रोटोकाल विकसित किया। इंटरनेट की दुनिया में आमूलचूल बदलाव तो टिम बर्नर्स ली द्वारा डब्लूड्ब्लूड्ब्लू वर्ल्ड वाइड वेब विकसित किया तो इससे संचार दुनिया ही बदल गई। भारत में सही तौर पर तो 1995 में वीएसएनएल ने इंटरनेट सेवाओं का विस्तार किया। आज बड़ी समस्या यह है कि अमेजन, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट आदि के विशाल डेटा सेंटर यूएई और सउदी आदि देशों में हैं। यही कारण है कि समुद्री रास्ते से फाइबर केबल्स भी हार्मुज जलडमरुमध्य व लालसागर होते हुए ही हैं। यदि केबल्स में व्यवधान होती है या किसी तरह से जाने अनजाने नुकसान पहुंचता है तो वीडियों काल, इमेल आदि से लेकर इंटरनेट से जुड़ी सभी तरह की सेवाएं प्रभावित हो सकती है और इसीको लेकर चिंता की लकीरें खिंचने लगी है। वैसे आज संयुक्त राष्ट्र संघ तो बेमानी हो गया है। दुनिया के देशों के अलग अलग बने संगठन चाहे वे नाटो हो या ब्रिक्स या पिछले कुछ सालों के देश-दुनिया के हालातों में बेमानी हो गए हैं। वैश्विक हालात दिन प्रतिदिन बद से बदतर होते जा रहे हैं। ऐसे में सवाल यह उठता है कि कोई ना कोई ऐसी नियामक संस्था या कोई ना कोई इस तरह की बाध्यकारी व्यवस्था अवश्य होनी चाहिए जिससे दुनिया के देशों और उनके नागरिकों से जुड़ी सुविधाओं से छेड़छाड़ ना हो इस तरह की व्यवस्था किया जाना आवश्यक है।

बंगाल विधानसभा चुनाव 2026: टूट सकता है टीएमसी का अल्पसंख्यक फिक्स्ड वोटबैंक

टिकट से वंचित होने वालों में उत्तर दिनाजपुर के इस्लामपुर से अब्दुल करीम चौधरी, मालदा के हरिश्चंद्रपुर से तजमुल होसेन, सुजापुर से अब्दुल गनी, मुर्शिदाबाद के फरक्का से मनिरुल इस्लाम, लालगोला से मोहम्मद अली, बेलडांगा से हसनुजम्मा शेख, जलंगी से अब्दुल रज्जाक, उत्तर 24 परगना के बादुरिया से अब्दुल रहीम दिलू, आमडांगा से रफीकुर इस्लाम, देगंगा से रहीमा बीबी, हरोवा से रबीउल इस्लाम, बसिरहाट उत्तर से रफीकुल रहमान, दक्षिण 24 परगना के मगराहाट पश्चिम से गियासुद्दीन लस्कर, पूर्वी मिदनापुर के पांसकूड़ा पश्चिम से फिरोजा बीबी और मुर्शिदाबाद के भरतपुर से पार्टी से निलंबित हुमांयू कबीर शामिल हैं। विधानसभा क्षेत्र बदले जाने वाले अल्पसंख्यक विधायकों की संख्या भी कहीं से कम नहीं है। सबीना याशमीन मालदा के मोथाबारी से सुजापुर, अमीरुल इस्लाम मुर्शिदाबाद के शमशेरगंज से फरक्का, रुकबानूर रहमान नदिया के चपरा से पलाशीपाड़ा, आईपीएस हुमांयू कबीर को डेबरा से डोमकल और दक्षिण 24 परगना के कैनिंग ईस्ट से भांगर सीट से शौकत मोल्ला को टिकट दिया गया है। इसे लेकर दोनों ही सीटों पर भारी विरोध प्रदर्शन हो रहा है। भांगर से टिकट के प्रबल दावेदार और पूर्व विधायक आराबुल इस्लाम पहले से ही अलग मोर्चा खोले हुए थे। वैसे भी पार्टी से निलंबन, निष्कासन और वापसी के कारण पिछले कुछ वर्षों में आराबुल इस्लाम और तृणमूल कांग्रेस के बीच दूरियां निरंतर बढ़ रही थी। बार-बार विवादों के चलते आराबुल इस्लाम, तृणमूल कांग्रेस में अपनी अहमियत खो बैठे थे, अंततः महत्वहीन हो जाने के कारण उन्होंने इस्तीफा देकर आईएसएफ जॉइन कर लिया है।

-सत्येंद्र प्रताप सिंह

बंगाल में अल्पसंख्यकों को टीएमसी का फिक्स्ड वोटबैंक माना जाता है। बावजूद इसके काफी संख्या में अल्पसंख्यक विधायकों का टिकट कटा है और चुनाव क्षेत्र भी बदला गया है।

टिकट से वंचित होने वालों में उत्तर दिनाजपुर के इस्लामपुर से अब्दुल करीम चौधरी, मालदा के हरिश्चंद्रपुर से तजमुल होसेन, सुजापुर से अब्दुल गनी, मुर्शिदाबाद के फरक्का से मनिरुल इस्लाम, लालगोला से मोहम्मद अली, बेलडांगा से हसनुजम्मा शेख, जलंगी से अब्दुल रज्जाक, उत्तर 24 परगना के बादुरिया से अब्दुल रहीम दिलू, आमडांगा से रफीकुर इस्लाम, देगंगा से रहीमा बीबी, हरोवा से रबीउल इस्लाम, बसिरहाट उत्तर से रफीकुल रहमान, दक्षिण 24 परगना के मगराहाट पश्चिम से गियासुद्दीन लस्कर, पूर्वी मिदनापुर के पांसकूड़ा पश्चिम से फिरोजा बीबी और मुर्शिदाबाद के भरतपुर से पार्टी से निलंबित हुमांयू कबीर शामिल हैं।

विधानसभा क्षेत्र बदले जाने वाले अल्पसंख्यक विधायकों की संख्या भी कहीं से कम नहीं है। सबीना याशमीन मालदा के मोथाबारी से सुजापुर, अमीरुल इस्लाम मुर्शिदाबाद के शमशेरगंज से फरक्का, रुकबानूर रहमान नदिया के चपरा से पलाशीपाड़ा, आईपीएस हुमांयू कबीर को डेबरा से डोमकल और दक्षिण 24 परगना के कैनिंग ईस्ट से भांगर सीट से शौकत मोल्ला को टिकट दिया गया है। इसे लेकर दोनों ही सीटों पर भारी विरोध प्रदर्शन हो रहा है।

भांगर से टिकट के प्रबल दावेदार और पूर्व विधायक आराबुल इस्लाम पहले से ही अलग मोर्चा खोले हुए थे। वैसे भी पार्टी से निलंबन, निष्कासन और वापसी के कारण पिछले कुछ वर्षों में आराबुल इस्लाम और तृणमूल कांग्रेस के बीच दूरियां निरंतर बढ़ रही थी। बार-बार विवादों के चलते आराबुल इस्लाम, तृणमूल कांग्रेस में अपनी अहमियत खो बैठे थे, अंततः महत्वहीन हो जाने के कारण उन्होंने इस्तीफा देकर आईएसएफ जॉइन कर लिया है।

वैसे भी चुनाव का मौसम आते ही नेताओं के पार्टी छोड़ने का सिलसिला भी शुरू हो जाता है। पार्टी भले ही कोई भी हो, लेकिन नेताओं और कार्यकर्ताओं के पार्टी छोड़ने के ट्रेंड से कोई अछूता नहीं रह जाता है। हुमायूं कबीर पहले ही अपनी पार्टी बनाकर चुनावी जंग में कूद चुके हैं। आईएसएफ और एआईएमआईएम, ममता बनर्जी के अल्पसंख्यक वोटबैंक में सेंध लगा ही रहे थे कि पार्टी के अल्पसंख्यक नेता भी राह को मुश्किल बना रहे हैं। दूसरी तरफ वाममोर्चा और कांग्रेस भी बगैर गठबंधन में गए अलग अलग चुनाव लड़ रहे हैं। आम जनता उन्नयन पार्टी में हुमायूं कबीर और आईएसएफ में नौशाद सिद्दीकी जैसा बड़ा अल्पसंख्यक चेहरा है ही, साथ ही वाममोर्चा का नेतृत्व सीपीएम के सचिव और पूर्व सांसद मोहम्मद सलीम कर रहे हैं। ऐसे में अल्पसंख्यकों का फिक्स्ड वोटबैंक इस बार टूट भी सकता है। आम जनता उन्नयन पार्टी के संस्थापक और निलंबित तृणमूल कांग्रेस विधायक हुमायूं कबीर ने दावा किया है कि चुनाव बाद बंगाल में मुस्लिम डिप्टी चीफ मिनिस्टर बनेगा और मैं मुसलमानों का नेतृत्व करूंगा। हुमायूं कबीर ने तृणमूल कांग्रेस पर मुस्लिम समुदाय को पर्याप्त प्रतिनिधित्व न देने का आरोप लगाते हुए कहा है कि तृणमूल कांग्रेस डर गई है इसलिए एससी, ओबीसी और आदिवासियों को अच्छी जगह दी है।2011 की तुलना में 2016 में मुस्लिम उम्मीदवार कम थे, 2021 में और कम, और 2026 में सबसे कम। दरअसल, उन्हें पता चल गया है कि मुसलमान उनके लिए वोट नहीं करेंगे, इसलिए टिकट नहीं दिए हैं। निलंबित तृणमूल कांग्रेस विधायक हुमायूं कबीर यह भी कह रहे हैं कि सरकार बनाने के लिए पार्टी लॉन्च किये हैं, ममता बनर्जी को समर्थन देने के लिए नहीं। साफ कह रहे हैं कि इनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस को सरकार बनाने में समर्थन नहीं देगी और ममता बनर्जी के विरुद्ध भवानीपुर में गैर-बंगाली मुस्लिम यानी हिंदी-उर्दू भाषी मुस्लिम उम्मीदवार देगी। गौरतलब है कि 4 दिसंबर 2025 को इन्हें तृणमूल कांग्रेस से निलंबित किया गया था, जब उन्होंने मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की प्रतिकृति बनाने का प्रस्ताव रखा था। इसके बाद उन्होंने आम जनता उन्नयन पार्टी बनाई। पिछले साल उन्होंने घोषणा की थी कि उनकी पार्टी 182 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बहरहाल, आईएसएफ, एआईएमआईएम, आम जनता उन्नयन पार्टी, सीपीएम और कांग्रेस को अल्पसंख्यक वोट जो भी मिलेगा वह टीएमसी के अल्पसंख्यक वोटबैंक से ही मिलेगा।

इन स्किल्स की बदौलत स्कूल स्टूडेंट्स कर सकते हैं अपने सक्सेसफुल करियर की शुरुआत

सक्सेसफुल करियर की चाह सभी रखते हैं। अगर आप भी अपने बच्चों को सक्सेसफुल बनाना चाहती हैं, तो उनके करियर की शुरुआत करने से पहले ही उन्हें कुछ खास स्किल्स सिखाएं। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कि आप उन्हें करियर की शुरुआत में क्या-क्या सिखा सकती हैं, ताकि आगे जाकर उन्हें किसी भी तरह की दिक्कत का सामना ना करना पड़े।

ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी

ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी का चलन काफी ज्यादा चल रहा है। ऐसे में आपको भी अपने बच्चों को ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी के बारे में बताना चाहिए। आने वाले समय में ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल काफी बढ़ने वाला है। यह उनके फ्यूचर के लिए काफी लाभदायक साबित हो सकता है।

ट्रेडिंग

शेयर मार्केट और ट्रेडिंग के क्षेत्र में भी काफी अवसर हैं। ऐसे में आप चाहें तो अपने बच्चों को इसके बारे में भी बता सकती हैं। आजकल लोग ट्रेडिंग करके हर महीने करोड़ों रुपये कमा लेते हैं। ऐसे में आपको अपने बच्चों को शुरू से ही ट्रेडिंग की जानकारी देनी चाहिए। अगर आपके बच्चे को इस क्षेत्र में रुचि होगी, तो उन्हें इसका काफी फायदा होने वाला है।

डिजिटल स्किल्स

डिजिटल स्किल्सजैसी कि कोडिंग वगैरह के बारे में बच्चों को जरूर सिखाना चाहिए। ऐसे में अगर आप भी अपने बच्चों का फ्यूचर सक्सेसफुल बनाना चाहती हैं, तो उन्हें डिजिटल इकोसिस्टम से जुड़ी सारी चीजें जरूर बताएं। अगर जरूरी हो, तो उन्हें डिजिटल स्किल्स से जुड़ी चीजों को सीखने के लिए कोचिंग भी करवा सकती हैं।

डिस्टेंस मोड में करें ये शॉर्ट टर्म स्किल बेस्ड कोर्स

कई लोग पैसे के कारण दूसरे शहर में जाकर पढ़ाई नहीं कर पाते हैं। हालांकि अगर आपको पढ़ने की चाह है तो आपको कोई रोक नहीं सकता। जी हां, अगर आप अपनी शिक्षा को बेहतर बनाना चाहते हैं और कम फीस में स्किल्स सीखना चाहते हैं, तो जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी के डिस्टेंस मोड के शॉर्ट टर्म स्किल बेस्ड कोर्स आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं। इसे आप आसानी से कर सकते हैं।

डिस्टेंस मोड में शॉर्ट टर्म स्किल बेस्ड कोर्सेज

जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी में केवल रेगुलर डिग्री कोर्सेज ही नहीं बल्कि डिस्टेंस मोड में शॉर्ट टर्म स्किल बेस्ड कोर्स करने का भी मौका दे रहा है। ये कोर्स करने के बाद आप आसानी से काफी कुछ सीख सकते हैं। इन कोर्स की फीस भी बहुत कम होती है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को काफी ज्यादा मदद मिल जाती है।

- डिस्टेंस मोड में करें ये शॉर्ट टर्म स्किल बेस्ड कोर्स
- बैचलर ऑफ आर्ट्स
- बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन
- बैचलर ऑफ कॉमर्स
- मास्टर ऑफ आर्ट्स इन एजुकेशन
- मास्टर ऑफ आर्ट्स इंग्लिश
- मास्टर ऑफ आर्ट्स हुमन रिसोर्स मैनेजमेंट
- मास्टर ऑफ आर्ट्स हिस्ट्री
- मास्टर ऑफ आर्ट्स हिंदी
- मास्टर ऑफ आर्ट्स ज्योग्राफी
- मास्टर ऑफ आर्ट्स पॉलिटिकल साइंस
- मास्टर ऑफ आर्ट्स उर्दू
- मास्टर ऑफ आर्ट्स सोशियोलॉजी
- मास्टर ऑफ कॉमर्स

बीमा सखी महिला योजना में एजेंट बनकर करियर बना सकती हैं महिलाएं

अगर आप बीमा सखी महिला योजना में एजेंट के लिए आवेदन करना चाहती हैं, तो बता दें कि इसके लिए महिलाओं की उम्र 18 से 70 वर्ष के बीच होनी चाहिए। साथ ही 10वीं कक्षा पास होना चाहिए।

महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार की योजनाएं और स्कीम निकाली जाती है। इसी में से एक है बीमा सखी महिला योजना। बता दें, कि एलआईसी के अंतर्गत बीमा सखी योजना के तहत 18 साल से अधिक आयु की महिलाओं को सुनहरा भविष्य बनाने का मौका मिल रहा है। हालांकि इसके लिए इच्छुक महिलाओं का 10वीं पास होना जरूरी है। आवेदन करने के बाद इन्हें स्पेशल ट्रेनिंग मुहैया कराई जाएगी। साथ ही 3 साल तक एलआईसी के द्वारा एक निश्चित मानदेय भी दिया जाएगा। अगर आप भी बीमा सखी महिला योजना में एजेंट बनना चाहती हैं, तो इस लेख में आज हम आपको बताने जा रहे हैं, एजेंट बनने के लिए आवेदक के पास कौन सी योग्यता होनी चाहिए।

बीमा सखी महिला एजेंट को कितना मिलेगा वेतन भत्ता?

अगर आप बीमा सखी महिला योजना में एजेंट बनकर अपना करियर बना सकती हैं। इस योजना के लिए महिलाओं की उम्र 18 साल से 70 साल होनी चाहिए। इस पद के लिए आवेदन करने वाली युवतियों के पास 10वीं उत्तीर्ण होना जरूरी है, जिन्हें विकास अधिकारी द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके अलावा इस योजना से जुड़ी महिलाओं को हर महीने एलआईसी द्वारा 7 हजार रुपये दिए जाएंगे। बता दें कि यह वेतन भत्ता 3 साल तक दिया जाएगा। पहले वर्ष 7 हजार, दूसरे साल 6 और तीसरे वर्ष 5 हजार रुपये महीना सैलरी दी जाएगी।

काम के साथ मिलेगा कमीशन

इस योजना के तहत जुड़ने वाली महिलाओं को अपने किए गए कार्य के हिसाब से कमीशन भी मिलेगा। बीमा सखी महिला एजेंट को पहले साल में 24 लोगों का बीमा करवाना होगा। इस पर उन्हें कम से कम 40-50 हजार रुपये साल की कमीशन मिल सकता है। वहीं बात करें दूसरे साल की तो इस वर्ष पहले साल का 65 प्रतिशत पॉलिसी करने पर कमीशन दिया जाएगा। यहीं क्रम तीसरे साल भी लागू रहेगा।

जरूरी दस्तावेज

- आधार कार्ड
- पैन कार्ड
- पासपोर्ट साइज फोटो
- निवास प्रमाण जैसे- राशन कार्ड, बिजली बिल या पानी का बिल।
- शैक्षिक प्रमाणपत्र कम से कम 10वीं कक्षा तक की शिक्षा।
- बैंक खाता विवरण
- स्वास्थ्य प्रमाण पत्र

कैसे बना सकते हैं करियर?

- LIC की तरफ से बीमा सखी को प्रशिक्षण दिया जाता है। इसमें उन्हें बीमा उत्पादों, बिक्री रणनीतियों, ग्राहक से बात करने, और डॉक्यूमेंट की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी जाती है।
- बीमा सखी के रूप में रजिस्ट्रेशन के लिए LIC से आवेदन करना होगा।
- एजेंट बनने के बाद, आपको विभिन्न बीमा स्कीम को ग्राहकों को समझाना होगा।

विदेश में रहते हैं तो इन तरीकों से बढ़ाएं अपने कम्युनिकेशन स्किल्स

विदेश जाने वाले लोगों को सबसे ज्यादा दिक्कत होती है कम्युनिकेशन की। किसी और देश के कल्चर के हिसाब से भाषा सीखना थोड़ा पेचीदा हो सकता है।

अधिकतर भारतीयों को इंग्लिश बचपन से ही सिखाई जाती है, लेकिन अगर इसे आप यूके या फिर अमेरिका में बोलेंगे, तो भी कम्युनिकेशन गैप आएगा ही। किसी नए देश में जाकर ठीक से कम्युनिकेट करने में बहुत ज्यादा दिक्कत होती है। यह समझने में समय लगता है कि किसी अन्य देश में आप सही कम्युनिकेशन कैसे करें। अगर यूरोप, थाईलैंड जैसे किसी देश में गए हैं, तो वहां की भाषा सीखने और सही कम्युनिकेट करने में समय लगता है।

बोलने से ज्यादा सुनने की कोशिश करें

कम्युनिकेशन स्किल बेहतर बनाने के लिए आपको पहले एक अच्छा लिसनर बनना होगा। लोगों को यह अच्छा लगता है कि उन्हें सुना जाए। ऐसे में आप किसी और देश में हैं, तो लोगों के हाव-भाव को समझें और उनकी बातों को सुनने की कोशिश करें। खुद से ही उनके सवालों के जवाब ढूंढने की जगह पहले उन्हें ठीक से सवाल पूछने दें। कई बार हम एंग्जाइटी में ही बोल जाते हैं, लेकिन ऐसा नहीं करना है। जब भी आप किसी से फोन पर बात कर रहे हैं, तो टेक्स्ट मैसेज का जवाब देना, ईमेल करना आदि बहुत खराब होता है। ऐसे में आपके कम्युनिकेशन स्किल कभी बेहतर नहीं हो पाएंगे। विदेशों में इस तरह की चीज को असभ्य माना जाता है।

सभी के साथ एक जैसा व्यवहार करें

कई बार हम अगर किसी अन्य नेशनालिटी के व्यक्ति से बात करते हैं, तो हम बहुत ही कॉन्शियस हो जाते हैं। यह कई बार अशिष्ट लगता है। कम्युनिकेशन स्किल को बेहतर बनाने का यह एक बहुत सही तरीका है कि आप अपने व्यवहार को बेहतर बनाएं।

बॉडी लैंग्वेज ऑफेंसिव ना रखें

कई बार हम किसी वेटर या फिर किसी सब्जी बेचने वाले से भारत में बहुत रूड तरह से बात करते हैं। बाहरी देशों में प्लंबर, कारपेंटर, वेजिटेबल वेंडर, वेटर और ऐसे सभी काम स्किल्ड लेबर में आते हैं। चाहे भारत हो या कहीं और आपको हर काम की इज्जत करनी चाहिए और अपने व्यवहार और बॉडी लैंग्वेज को ऑफेंसिव नहीं रखना चाहिए।

धीमे बोलें, लेकिन फैक्ट्स का ध्यान रखें

कम्युनिकेशन स्किल्स बेहतर बनाने के लिए फैक्ट्स का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। आपको ध्यान से बोलना होगा और सही बोलना होगा। हम कई बार अपनी तारीफ के चक्कर में कुछ एक्स्ट्रा ही बोल जाते हैं। ऐसा नहीं करना है। ऐसा करने से आपके साथ समस्या बढ़ेगी।

पॉजिटिव बोलें और स्माइल का ध्यान रखें

अगर आपको किसी को इम्प्रेस करना है, तो स्माइल से बेहतर कुछ हो ही नहीं सकता है। ऐसे में आप हमेशा पॉजिटिव रहें और स्माइल करते रहें। गर्मजोशी से हाथ मिलाएं और फिर आगे बढ़ें। कई बार फर्स्ट इम्प्रेशन ही इससे बहुत अच्छा पड़ता है।

ज्यादा लंबे टेक्स्ट या ईमेल ना करें

हिंदुस्तान में कॉर्पोरेट ईमेल्स भी बहुत लंबे होते हैं पर यह सही तरीका नहीं है। मेल पर सिर्फ प्वाइंटर आदि होने चाहिए और बाकी चीजों के लिए कॉल या फेस टू फेस कंवर्जेशन ज्यादा बेहतर है। कई बार हम इसे अवॉइड करने की कोशिश करते हैं, लेकिन यह सही तरीका नहीं है। इससे यह दिखता है कि आप एक अच्छे स्पीकर या लिसनर नहीं हैं।

लिखने से पहले पढ़ जरूर लें

कम्युनिकेशन का एक अहम नियम है। आप कुछ भी गलत ना बोले ना ही लिखें। आप कोई मेल या टेक्स्ट कर रहे हैं, तो उसे ठीक से पढ़ लें। अगर टेक्स्ट या ईमेल में कोई गलती जाती है, तो लोगों पर आपका इम्प्रेशन सही नहीं पड़ेगा। लिखने के बाद पढ़ने की आदत आपको एम्बैरेस्मेंट से बचा सकती है।

हल्का पटवारी बरहट पट्टा वितरण में कर रहा धांधली

अपात्रों को दे रहा लाभ, 473 को पट्टा देने की प्रक्रिया शुरू, जांच की उठी मांग

सिंगरौली। जिले की चितरंगी तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत बरहट में पट्टा वितरण को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पटवारी और सरपंच की कथित मिलीभगत से सरकारी भूमि का पट्टा ऐसे लोगों को भी दिया जा रहा है, जो इसके वास्तविक हकदार नहीं हैं। इस पूरे मामले ने क्षेत्र में हलचल मचा दी है और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत बरहट में कुल 473 लोगों को पट्टा वितरित किए जाने की प्रक्रिया चल रही है। यह पट्टा रकवा क्रमांक 1407 और 1636 की भूमि पर दिया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस प्रक्रिया में पारदर्शिता का पूरी तरह अभाव है और पात्रता के नियमों को दरकिनार किया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि हल्का पटवारी प्रभांशु और सरपंच की मिलीभगत से पैसे लेकर अपात्र व्यक्तियों को भी पट्टा दिया जा रहा है। जिन लोगों के पास पहले से पर्याप्त कृषि भूमि है, उन्हें भी मालिकाना हक का पट्टा प्रदान किया जा रहा है, जिससे वास्तविक जरूरतमंदों का हक मारा जा रहा है। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि कई मामलों में एक ही परिवार के पिता और पुत्र दोनों को अलग-अलग पट्टे दिए जा रहे हैं, जो नियमों के विपरीत है। इससे यह साफ संकेत मिलता है कि पट्टा वितरण में नियमों की अनदेखी की जा रही है और व्यक्तिगत लाभ के लिए प्रक्रिया को प्रभावित किया जा रहा है। मामले का एक और चिंताजनक पहलू यह सामने आया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जिन हितग्राहियों को दो से पांच डिसमिल जमीन दी जा रही है, वे उस स्थान पर आवास निर्माण नहीं कर रहे हैं। आरोप है कि कई लाभार्थी अन्य स्थानों पर मकान

बना रहे हैं, जिससे योजना के उद्देश्य पर भी सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों ने इसे भी गंभीर अनियमितता बताते हुए इसकी जांच की मांग की है।

7 वर्षों से एक ही हल्के में जमे पटवारी, निष्पक्षता पर उठे सवाल

जिले के चितरंगी तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत बरहट हल्का में पदस्थ पटवारी प्रभांशु पिछले लगभग सात वर्षों से एक ही स्थान पर कार्यरत हैं। लंबे समय से एक ही क्षेत्र में तैनाती के चलते उनकी स्थानीय काश्तकारों से गहरी पैठ बन गई है, जिससे कार्यप्रणाली की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इतने लंबे समय तक एक ही जगह पर पदस्थ रहने से पटवारी और कुछ प्रभावशाली लोगों के बीच करीबी बढ़ गई है, जिसका असर राजस्व कार्यों पर भी देखने को मिल रहा है। सूत्रों के अनुसार भूमि संबंधी मामलों में पारदर्शिता की कमी की शिकायतें समय-समय पर सामने आती रही हैं। किसानों का आरोप है कि सीमांकन, नामांतरण और पट्टा वितरण जैसे कार्यों में प्राथमिकता और पक्षपात की स्थिति बनती नजर आ रही है। हालांकि इस संबंध में संबंधित अधिकारियों की ओर से कोई ठोस कार्रवाई अब तक सामने नहीं आई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि निष्पक्षता बनाए रखने के लिए पटवारी का स्थानांतरण किया जाए, ताकि राजस्व व्यवस्था में पारदर्शिता और विश्वास कायम रह सके।

पटवारी की मिलीभगत से हुआ खेल

सूत्रों के मुताबिक पट्टा वितरण के नाम पर लोगों से अवैध रूप से पैसे वसूले जा रहे हैं। यदि यह आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह न केवल प्रशासनिक लापरवाही, बल्कि भ्रष्टाचार का भी बड़ा मामला हो सकता है।

इस पूरे प्रकरण को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि पट्टा वितरण की प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि पात्र लोगों को उनका अधिकार मिल सके और सरकारी योजनाओं का लाभ सही हाथों तक पहुंच सके।

इनका कहना है

ग्राम पंचायत बरहट में अगर पट्टा वितरण में गड़बड़ी है तो उसकी लिस्ट उपलब्ध कराई जाए और शिकायत की जाए तो इसकी सही जांच करायेंगे।

देवेंद्र द्विवेदी,
एसडीएम चितरंगी

अतिक्रमण से इटार चौराहा और न्यायालय मार्ग पर बढ़ी परेशानी

सिंगरौली। स्थानीय क्षेत्र के इटार चौराहे पर अतिक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे आवागमन बाधित हो रहा है और दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई है। बताया जा रहा है कि पूर्व में प्रशासन द्वारा इस क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराया गया था, लेकिन एक माह के भीतर ही पुनः अतिक्रमण फैल गया, जिससे आमजन को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि चौराहे पर दुकानों और अस्थायी ढांचों के कारण सड़क सकरी हो गई है, जिससे यातायात प्रभावित हो रहा है। विशेषकर व्यस्त समय में जाम की स्थिति बन जाती है और हादसों का खतरा बढ़ जाता है। इसी तरह न्यायालय मार्ग पर भी अतिक्रमण के चलते न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं और पक्षकारों को आने-जाने में कठिनाई हो रही है। मार्ग के दोनों ओर फैले अतिक्रमण के कारण आवाजाही प्रभावित हो रही है, जिससे न्यायिक कार्य में भी बाधा उत्पन्न हो सकती है। ऐसी स्थिति में क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि इटार चौराहा और न्यायालय मार्ग को शीघ्र अतिक्रमण मुक्त कराया जाए, ताकि यातायात सुचारु हो सके।

चैत्र नवरात्र पंचमी पर श्री ज्वालामुखी मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

सिंगरौली। स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ श्री ज्वालामुखी मंदिर में चैत्र नवरात्र की पंचमी तिथि पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। प्रातःकाल से ही मंदिर परिसर में दर्शन-पूजन के लिए भक्तों का तांता लगा रहा।

स्थानीय श्रद्धालुओं के साथ-साथ छत्तीसगढ़, झारखंड, म.प्र, बिहार एवं उ.प्र. के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में तीर्थयात्री माँ के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। मंदिर परिसर में श्रद्धालु माता को नारियल, चुनरी, माला एवं पुष्प अर्पित कर मनोवांछित फल की कामना कर रहे हैं। मंदिर परिसर एवं मेला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत स्थानीय पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। थाना प्रभारी कमल नयन दुबे के नेतृत्व में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रूप से संचालित की जा रही है, जिससे श्रद्धालु शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में दर्शन कर सके। वहीं मंदिर के परंपरागत प्राचीन मार्ग एवं नव-निर्मित प्रवेश द्वार के आसपास नारियल, चुनरी, माला एवं पुष्पों की दुकानें सजी हुई हैं, जिससे पूरा क्षेत्र धार्मिक आस्था एवं उत्साह से परिपूर्ण दिखाई दे रहा है।

नोडल अधिकारी होंगे जिला पंचायत सीईओ

सिंगरौली। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन संशोधित अवधि 7 अप्रैल से 12 मई तक तक किया जाना है। जिले में गठित जिला स्तरीय समिति, उपार्जन संबंधी समस्त विवादों का अंतिम निराकरण तथा उपार्जित स्कंध की गुणवत्ता की निगरानी करेगी। कलेक्टर गौरव बैनल द्वारा जिले में उपार्जन संबंधी सभी विषयो के लिए जिपं सीईओ जगदीश कुमार गोमे को नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

मीडिया की सख्ती के बाद जागा प्रशासन, धरौली में रुका पीएम आवास का काम फिर से शुरू

सरपंच-रोजगार सहायक को अधिकारियों ने अल्टीमेटम, सप्ताह भर में आवास निर्माण हो, वरना होगी कार्यवाही

सिंगरौली। आखिरकार वही हुआ, जिसका इंतजार शिकायत कर्ता लंबे समय से कर रहे थे। मीडिया में मामला उजागर होते ही सोया हुआ प्रशासन अचानक जाग गया। चितरंगी जनपद की ग्राम पंचायत धरौली में प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर उठे विवाद के बाद प्रशासन अब एक्शन मोड में नजर आ रहा है। अधिकारियों ने सरपंच और रोजगार सहायक को साफ अल्टीमेटम दे दिया है कि एक सप्ताह के भीतर आवास निर्माण कार्य पूरा किया जाए, अन्यथा सख्त कार्रवाई तय है। सबसे अहम बात यह है कि आज से रुका हुआ निर्माण कार्य फिर से शुरू भी करा दिया गया है।

गौरतलब है कि धरौली

पंचायत में पीएम आवास योजना के तहत गड़बड़ी और शिकायत दबाने के आरोप लगातार सामने आ रहे थे। शिकायतकर्ता द्वारा कई बार शिकायत दर्ज कराने के बावजूद मामले को बिना जांच के बंद कर दिया गया, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश था। लेकिन जैसे ही मामला मीडिया में उछला, प्रशासन की नींद टूटी और जिम्मेदारों पर दबाव बनना शुरू हो गया। सूत्रों के अनुसार अधिकारियों ने मौके की स्थिति को गंभीर मानते हुए सरपंच और रोजगार सहायक को कड़े निर्देश दिए हैं कि लंबित आवासों का निर्माण तत्काल शुरू कर समयसीमा में पूरा किया जाए। प्रशासनिक दबाव का असर अब साफ दिख रहा है। आज से राकेश मिश्रा पिता शिवपति राम मिश्रा का आवास निर्माण का काम शुरू हो गया है। जिन घर की नींव तक नहीं पड़ी थी, वहां अब मजदूरों की आवाजाही और निर्माण सामग्री पहुंचती दिखाई दे रही है। हालांकि यह सवाल अब भी बरकरार है कि आखिर प्रशासन को जागने में इतना समय क्यों लगा, शिकायतकर्ता का कहना है कि अगर पहले ही शिकायतों पर गंभीरता से कार्रवाई होती, तो पात्र हितग्राही को महीनों तक भटकना नहीं पड़ता। लोगों का आरोप है कि पंचायत स्तर पर मिलीभगत के चलते योजना का लाभ सही लोगों तक नहीं पहुंच पाया और शिकायतों को जानबूझकर दबाया गया। इधर अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि तय समय सीमा में आवास निर्माण पूरा नहीं हुआ, तो संबंधित सरपंच और रोजगार सहायक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही पूरे मामले की जांच भी कराई जाएगी, ताकि गड़बड़ी की सच्चाई सामने आ सके। फिलहाल धरौली में अचानक शुरू हुआ निर्माण कार्य यह जरूर साबित करता है कि जब सवाल उठते हैं, तो सिस्टम को जवाब देना ही पड़ता है। अब देखना यह होगा कि यह सख्ती केवल दिखावे तक सीमित रहती है या वास्तव में दोषियों पर कार्रवाई कर व्यवस्था में पारदर्शिता लाई जाएगी।

सरकारी भूमि पर कब्जे की कोशिश, पंचायत के लगाए पेड़ काटे

सहुआर गांव में ग्रामीणों का आक्रोश, प्रशासन से सख्त कार्यवाही की मांग

सिंगरौली। जनपद पंचायत देवसर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सहुआर में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे का मामला सामने आने से हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार म.प्र. शासन की भूमि, खसरा क्रमांक 1105 पर कुछ दबंग व्यक्तियों द्वारा कब्जा करने की कोशिश की जा रही है। इस दौरान पंचायत द्वारा पूर्व में लगाए गए पेड़ों को भी काट दिया गया, जिससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखी जा रही है।

बताया जा रहा है कि उक्त भूमि को पंचायत ने सार्वजनिक उपयोग और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से सुरक्षित रखा था। इसी के तहत यहां वृक्षारोपण किया गया था, ताकि क्षेत्र में हरियाली बढ़े और ग्रामीणों को स्वच्छ वातावरण मिल सके। लेकिन हाल ही में कुछ लोगों ने इस जमीन पर कब्जा जमाने की नीयत से पेड़ों की कटाई शुरू कर दी। ग्रामीणों का आरोप है कि यह कार्य सुनियोजित तरीके से किया

जा रहा है और इसमें प्रभावशाली लोगों की भूमिका हो सकती है। पेड़ों की कटाई से न केवल सरकारी संपत्ति को नुकसान हुआ है, बल्कि पर्यावरण संतुलन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने इसे कानून और नियमों की खुली अवहेलना बताया है। घटना के बाद गांव में आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने एकजुट होकर प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो सरकारी जमीनों पर कब्जे की घटनाएं और बढ़ सकती हैं। साथ ही उन्होंने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग उठाई है। मामले की सूचना संबंधित राजस्व और पंचायत अधिकारियों तक पहुंचा दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि शिकायत की जांच कराई जा रही है और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि प्रशासन इस गंभीर मामले में कितनी तत्परता दिखाता है और सरकारी संपत्ति की रक्षा के लिए क्या कदम उठाता है।

प्रेम सिंह भाटी ने नि:शुल्क एम्बुलेंस सेवा कर की अनूठी पहल

सिंगरौली। जब सेवा का भाव सच्चा हो और संकल्प दृढ़, तो संसाधनों की कमी भी जनकल्याण के मार्ग में बाधा नहीं बनती। इसी मानवीय संवेदना और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का परिचय देते हुए सरई नगर परिषद के वार्ड-14 के पार्षद प्रेम सिंह भाटी ने मानव सेवा के लिए एक निःशुल्क एम्बुलेंस समर्पित कर क्षेत्र में एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। ग्रामीण अंचल में स्वास्थ्य सुविधाओं की सीमित उपलब्धता और समय पर परिवहन के अभाव में अनेक बार मरीजों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में भाटी द्वारा शुरू की गई यह एम्बुलेंस सेवा न केवल जरूरतमंदों के लिए राहत का माध्यम बनेगी, बल्कि समय पर उपचार सुनिश्चित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी। यह एम्बुलेंस गरीब, असहाय और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिए निःशुल्क उपलब्ध रहेगी, जिससे उन्हें दूरस्थ अस्पतालों तक सुरक्षित और शीघ्र पहुंचाया जा सके। प्रेम सिंह भाटी का सेवा कार्यों से जुड़ाव कोई नया नहीं है। वे वर्षों से निस्वार्थ भाव से समाजसेवा में संलग्न हैं। विशेष रूप से, पिछले 15 वर्षों से अपने निजी पिकअप कैंपर वाहन के माध्यम से शव वाहन के अभाव में अंतिम यात्रा के लिए सहयोग प्रदान करना उनकी संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण को उजागर करता है। इसके साथ ही श्रमिक वर्ग की सहायता, जरूरतमंदों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना और गौसेवा जैसे कार्यों में उनकी सक्रिय भागीदारी उन्हें समाज में एक विशिष्ट स्थान दिलाती है।

सरई नगर परिषद में पुल निर्माण पर भ्रष्टाचार के आरोप, घटिया गुणवत्ता से बढ़ी नाराजगी

सिंगरौली। सरई नगर परिषद क्षेत्र में चल रहे पुल निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। वार्ड क्रमांक 11 में निर्माणाधीन पुल पर स्थानीय ग्रामीणों ने भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। करीब तीन वर्षों से जारी इस कार्य की धीमी प्रगति और वर्तमान स्थिति को देखकर लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य में तय मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। आरोप है कि पुल निर्माण में सरिया और सीमेंट की मात्रा कम रखी जा रही है, जबकि गिट्टी और रेत का अत्यधिक उपयोग किया जा रहा है। इससे पुल की मजबूती पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों को आशंका है कि यह पुल पहली ही बारिश में क्षतिग्रस्त हो सकता है, जिससे जनहानि का खतरा भी बना हुआ है। स्थानीय नागरिकों ने नगर परिषद के अधिकारियों, सीएमओ, इंजीनियर और ठेकेदार पर मिलीभगत का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि शासन द्वारा विकास कार्यों के लिए दी गई धनराशि का दुरुपयोग किया जा रहा है और निर्माण कार्य में पारदर्शिता का अभाव है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही निर्माण कार्य की गुणवत्ता में सुधार नहीं किया गया और दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। उन्होंने जिला कलेक्टर से मामले की निष्पक्ष जांच कराने और संबंधित ठेकेदार का लाइसेंस निरस्त करने की मांग की है। इस मुद्दे पर आम नागरिकों ने भी कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाना जरूरी है और जनता के पैसे का दुरुपयोग किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

संकल्प से समाधान अभियान में प्राप्त आवेदनो का निराकरण कर हितग्राहियों को लाभान्वित करायें : जगदीश

जिपं सीईओ ने की समय सीमा पत्रो की समीक्षा

सिंगरौली। संकल्प से समाधान अभियान के तहत प्राप्त आवेदनो का विभागीय अधिकारी तत्परता के साथ निराकरण हितग्राहियों को लाभान्वित करायें। साथ ही सरई में आयोजित मेगा स्वास्थ्य शिविर का मास्टर डाटा तैयार कर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रत्येक मरीज का फालोअप कर बेहतर उपचार मुहैया करायें। उक्त आशय के निर्देश कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समय सीमा बैठक के दौरान जिपं सीईओ जगदीश गोमे ने संबंधित अधिकारियों को दिया।

जिपं सीईओ ने संकल्प से समाधान अभियान में प्राप्त आवेदन पत्रो की समीक्षा करते हुयें विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान में

ऑनलाईन तथा ऑफ लाईन प्राप्त आवेदन का तत्परता से निराकरण कर हितग्राहियों को लाभान्वित करायें। राजस्व अमला अभियान के दौरान राजस्व प्रकरणो का शत-प्रतिशत निराकरण कर लक्ष्य प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि जन सुनवाई सहित अन्य माध्यमो से प्राप्त होने वाले आवेदनो का भी अभियान के दौरान निराकृत प्रकरणो की जानकारी से जन प्रतिनिधियों को अवगत कराया जायें।

सीईओ ने विगत दिवस सरई में आयोजित दो दिवसीय मेगा स्वास्थ्य शिविर में चिन्हित मरीजो के बेहतर उपचार के लिए सीएमएचओ को निर्देशित किया कि स्वास्थ्य शिविर में चिन्हित मरीजो को लगातार फालोअप कर उन्हें बेहतर उपचार सुविधा उपलब्ध करायें, ताकि उन्हे स्वास्थ्य लाभ मिल सके। उन्होंने सामाजिक न्याय विभाग की समीक्षा करते हुये निर्देशित किया है कि जिले में दिव्यांगो को चिन्हित करने के लिए डोर-टू-डोर कैम्पन चलाया जाये, जिला शिक्षा अधिकारी, डीपीसी तथा महिला बाल विकास अधिकारी, विद्यालयों तथा आंगनवाड़ी केन्द्रो के माध्यम से दिव्यांगो चिन्हित कर उन्हे सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के साथ ही शासन द्वारा दी जाने वाली सहायता उपलब्ध करायें। साथ ही सीईओ ने सीएम हेल्प लाईन की विभागवार समीक्षा करते हुये निर्देशित किया कि विभागीय अधिकारी सीएम हेल्प लाईन में दर्ज शिकायतो का निर्धारित समयावधि में निराकरण करायें।

जल गंगा संवर्धन अभियान में छात्र-छात्राओं को किया गया प्रेरित

सिंगरौली। शासकीय महाविद्यालय देवसर में आयोजित विशेष संपर्क कक्षा में परामर्शदाताओं द्वारा छात्र-छात्राओं को पाठ्यक्रम, अध्यापन और मासिक प्रदत्त कार्य के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। इस अवसर पर म.प्र. जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक प्रभु दयाल दाहिया ने जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को जल संरक्षण और नदियों के पुनर्जीवन के महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम को केवल चर्चा तक सीमित न रखते हुए, उपस्थित सभी सदस्यों ने महाविद्यालय परिसर के पेड़-पौधों को जल अर्पित कर प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। इस दौरान विकासखंड समन्वयक प्रभु दयाल दाहिया के साथ नवांकुर संस्था सेक्टर धौहनी और संकल्प जन कल्याण शिक्षा समिति के अध्यक्ष द्वारिका प्रसाद कुशवाहा, राधेश्याम कुशवाहा, अम्बरीष कुमार पाठक, सियाराम जायसवाल, संगम शुक्ला सहित बड़ी संख्या में उपस्थित छात्र-छात्राओं ने जल संरक्षण और के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

आउट ऑफ ऑफिस कलेक्शन ने जीता फैंस का दिल

फैशन शो में अनीत पड्डा ने लगाए चार चांद

मंबई में चल रहे फैशन वीक में सितारे रैंप पर जलवा बिखेर रहे हैं। रविवार को जहां अदिति राव हैदरी ने रैंप वॉक करके फैंस का दिल जीता, वहीं सैयारा फेम अनीत पड्डा भी रैंप पर बेहद खूबसूरत लगीं। अनीत, डिजाइनर अनीत अरोड़ा के लिए शो स्टॉपर रहीं।

जियो कंवेंशनल सेंटर में चल रहे इस फैशन वीक के ग्रैंड फिनाले में आउट ऑफ ऑफिस स्टाइल फैशन शोकेस किया गया। इस मौके पर अनीत की मशहूर ड्रेस डिजाइनर अनीत अरोड़ा के डिजाइन किए हुए फॉल विंटर कलेक्शन को शोकेस किया। सफेद और ब्लू पैलेट इस ड्रेस में एक्ट्रेस काफी खूबसूरत लग रही थीं।

आउट ऑफ ऑफिस कलेक्शन का यह आउटफिट भी काफी आरामदायक और ट्रेंडी नजर आ रहा था। इसका हैंडक्राफ्ट टैक्चर इसे एक अलग ही लुक दे रहा था। वहीं सबकी निगाहें अनीत के क्लासिक शूज पर भी ठहरीं।

जियो कंवेंशनल सेंटर में चल रहे इस फैशन वीक के ग्रैंड फिनाले में आउट ऑफ ऑफिस स्टाइल फैशन शोकेस किया गया। इस मौके पर अनीत की मशहूर ड्रेस डिजाइनर अनीत अरोड़ा के डिजाइन किए हुए फॉल विंटर कलेक्शन को शोकेस किया। सफेद और ब्लू पैलेट इस ड्रेस में एक्ट्रेस काफी खूबसूरत लग रही थीं। आउट ऑफ ऑफिस कलेक्शन का यह आउटफिट भी काफी आरामदायक और ट्रेंडी नजर आ रहा था। इसका हैंडक्राफ्ट टैक्चर इसे एक अलग ही लुक दे रहा था। वहीं सबकी निगाहें अनीत के क्लासिक शूज पर भी ठहरीं।

अनीत से पहले अदिति ने भी शो में रैंप वॉक की। उन्होंने शानदार मिडनाइट ब्लू लहंगे में रनवे पर जबरदस्त एंट्री की। सत्य पॉल की डिजाइन की इस ड्रेस ने फैंस का काफी ध्यान खींचा। इस ड्रेस में एक लहराता हुआ स्कर्ट था जिस पर बारीक प्रिंट बने थे।

इसके साथ अभिनेत्री ने एक बोल्ड, ब्रालेट-स्टाइल का ब्लाउज पहना था जिसका गला काफी गहरा था। इसमें एक मॉडर्न टच देने के लिए, उन्होंने इस लुक के ऊपर एक लंबा, स्ट्रक्चर्ड ट्रेंच कोट पहना, जिससे पारंपरिक पहनावे को एक आधुनिक लुक मिला।

इस फैशन वीक में अब तक डायना पेंटी, तमन्ना भाटिया, शनाया कपूर, सिद्धार्थ चतुर्वेदी, कल्कि कोचलिन और दिशा पाटनी समेत कई सेलेब्स शामिल हो चुके हैं। ये सभी अलग-अलग डिजाइनर्स के लिए शो स्टॉपर रहे और उनका कलेक्शन शोकेस करते नजर आए।

'सुंदर पूनम' की पहली झलक आई सामने, रहस्यमयी किरदार में दिखीं सान्या मल्होत्रा

फिल्म 'सुंदर पूनम' के फर्स्ट लुक में सान्या मल्होत्रा दुल्हन के जोड़े में नजर आईं। फर्स्ट लुक देखकर लगता है कि वह कोई आम दुल्हन नहीं है, उनके किरदार में कई परतें हैं। फर्स्ट लुक से लगता है कि फिल्म 'सुंदर पूनम' अपने स्टोरी से दर्शकों को चौंका देगी, इसमें थ्रिलर, सस्पेंस की डोज मिलेगी।

'सुंदर पूनम' के फर्स्ट लुक में सान्या मल्होत्रा दुल्हन बन है, उसका फोन लगातार बज रहा है। जिसमें सुंदर और राजू नाम के नंबर से फोन आ रहा है। आखिर में दुल्हन मुस्कुराती है। पीछे से एक खबर सुनाई देती है कि एक शादी-शुदा जोड़ा कश्मीर में गायब हो गया।

'सुंदर पूनम' के फर्स्ट लुक में सान्या मल्होत्रा दुल्हन बन है, उसका फोन लगातार बज रहा है। जिसमें सुंदर और राजू नाम के नंबर से फोन आ रहा है। आखिर में दुल्हन मुस्कुराती है। पीछे से एक खबर सुनाई देती है कि एक शादी-शुदा जोड़ा कश्मीर में गायब हो गया। इस फिल्म में एक नया शादी-शुदा जोड़ा कश्मीर हनीमून पर जाता है। हनीमून के दौरान यह जोड़ा अचानक लापता हो जाता है। इसके साथ ही दुल्हन पूनम से जुड़ा एक रोंगटे खड़े कर देने वाला सच सामने आता है।

इस फिल्म में एक नया शादी-शुदा जोड़ा कश्मीर हनीमून पर जाता है। हनीमून के दौरान यह जोड़ा अचानक लापता हो जाता है। इसके साथ ही दुल्हन पूनम से जुड़ा एक रोंगटे खड़े कर देने वाला सच सामने आता है। इसमें उसकी जुनून भरी प्रेम कहानी है और उलझा हुआ अतीत है, जो दर्शकों को चौंकाने के लिए काफी है। फिल्म 'सुंदर पूनम' में सान्या मल्होत्रा के अलावा आदित्य रावल और विक्रम मल्होत्रा भी नजर आएंगे। फिल्म को पुलकित ने निर्देशित किया है। यह प्राइम वीडियो पर जल्द ही रिलीज होगी।

एक बार फिर हॉरर का डोज देंगे अजय देवगन

अजय देवगन इन दिनों अपनी आगामी फिल्मों दृश्यम 3 और गोलमाल 5 को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच उनकी एक और आगामी फिल्म को लेकर दिलचस्प खबर सामने आई है। अजय देवगन एक बार फिर हॉरर की दुनिया में वापसी करने वाले हैं। अजय देवगन एक बार फिर हॉरर फिल्म में नजर आएंगे। इसके लिए उन्होंने सरदारजी फ्रेंचाइजी के निर्देशक रोहित जुगराज के साथ हाथ मिलाया है। अजय देवगन भूत (2003) और काल (2005) जैसी हॉरर फिल्मों में दर्शकों का मनोरंजन कर चुके हैं। अब कथित तौर पर एक्टर एक बार फिर हॉरर मूवी में नजर आएंगे। पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार, अजय देवगन ने हॉरर फिल्म के लिए रोहित जुगराज के साथ हाथ मिलाया है। फिलहाल मेकर्स इस प्रोजेक्ट के प्री-प्रोडक्शन में व्यस्त हैं। फिल्म के प्रोड्यूसर कुमार मंगत हैं और फिलहाल वे इसे एक हाई कॉन्सेप्ट के रूप में बनाने की तैयारी में हैं। फिलहाल प्रोजेक्ट का नाम तय नहीं है। कहा जा रहा है कि इसमें एक बोल्ड, हाई-कॉन्सेप्ट वाली डरावनी कहानी दर्शकों को देखने को मिलेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, प्रोजेक्ट से जुड़े सूत्र ने कहा कि यह फिल्म पारंपरिक हॉरर फिल्मों से अलग होगी। फिल्म की शूटिंग बड़े पैमाने पर लंदन में होगी। फिल्म के लिए कास्टिंग का काम भी चल रहा है। टीम ऐसे कलाकारों को एक साथ लाने की कोशिश कर रही है, जो अजय देवगन की दमदार ऑन-स्क्रीन मौजूदगी को और भी निखार सकें। हॉरर जॉनर में अजय देवगन की वापसी की खबर ने दर्शकों को उत्साहित कर दिया है। हालांकि, मेकर्स की तरफ से अभी इसे लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रिपोर्ट्स की मानें तो जुलाई से फिल्म की शूटिंग शुरू हो सकती है। अजय देवगन के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे इन दिनों 'गोलमाल 5' की शूटिंग में व्यस्त हैं।

प्रोड्यूसर बनने ऋतिक ने करण जौहर से मांगी सलाह

हाल ही में आयोजित अमेजन प्राइम वीडियो के एक इवेंट में बॉलीवुड ऋतिक रोशन ने प्रोडक्शन की दुनिया में कदम रखने को लेकर अपनी दिलचस्पी जाहिर की। इसके लिए इंडस्ट्री के मशहूर फिल्ममेकर करण जौहर से सलाह भी मांगी। इस इवेंट में ऋतिक रोशन अपने दो नए ओटीटी शोज 'मैस' और 'स्ट्रॉम' के लॉन्च के लिए पहुंचे थे। स्टेज पर बातचीत के दौरान उन्होंने करण जौहर की जमकर तारीफ की और उन्हें अब तक का सबसे बेहतरीन प्रोड्यूसर बताया। इसी दौरान उन्होंने सीधे तौर पर सवाल किया कि अगर वह प्रोड्यूसर बनना चाहें, तो उन्हें क्या कदम उठाने चाहिए।

ऋतिक के इस सवाल पर करण जौहर ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया और हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि उन्हें किसी विशेष ट्रेनिंग की जरूरत नहीं है। करण के मुताबिक, ऋतिक बचपन से ही फिल्मी माहौल में पले-बढ़े हैं, इसलिए उन्हें इस क्षेत्र की अच्छी समझ पहले से ही है। उन्होंने यह भी कहा कि ऋतिक के पिता राकेश रोशन खुद एक सफल फिल्ममेकर रहे हैं और ऋतिक ने अपने करियर की शुरुआत बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर की थी, जो उनके अनुभव को और मजबूत बनाता है। करण जौहर की इस बात पर ऋतिक रोशन ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि अब उन्हें काफी अच्छा और आत्मविश्वास से भरा महसूस हो रहा है। इवेंट के दौरान उन्होंने अपने दोनों आगामी शोज को लेकर भी जानकारी साझा की, जिनमें अलग-अलग तरह की कहानियां देखने को मिलेंगी। 'मैस' एक ऐसे ग्रुप की कहानी है, जो चोरी के इरादे से एक घर में घुसता है, लेकिन वहां हालात अचानक ऐसे बन जाते हैं कि उन्हें खुद अपनी जान बचानी पड़ती है। वहीं 'स्ट्रॉम' पांच महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती कहानी है, जो एक हाउसिंग प्रोजेक्ट से जुड़े घोटाले पर आधारित है।

पहले वीकएंड धुरंधर 2 ने बनाए रिकॉर्ड; जवान-पठान और एनिमल को दी शिकस्त

बीते वर्ष आई फिल्म धुरंधर ने जबर्दस्त कमाई की थी। इस ब्लॉकबस्टर फिल्म का सीक्वल धुरंधर 2 भी कमाल का प्रदर्शन कर रही है। ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार धुरंधर 2 ने शुरुआती तीन दिन ताबतड़तोड़ कमाई करने के बाद 300 करोड़ क्लब में एंट्री ले ली। इस फिल्म ने शुरुआती तीन दिनों में करीब 339.27 करोड़ रुपये जुटाए। यह कमाई शाहरुख खान की पठान-जवान और रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल के तीन दिनों के कलेक्शन से काफी ज्यादा है। धुरंधर द रिवेंज ने वीकएंड पर भी नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

आदित्य धर निर्देशित फिल्म धुरंधर- द रिवेंज 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। पहले दिन से ही यह अपनी कमाई से चौंका रही है। पहले वीकएंड पर इसने शानदार प्रदर्शन किया। इसने जवान, पठान और एनिमल जैसी पिछली हिंदी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के रिकॉर्ड्स को पहले ही वीकएंड तोड़ दिया है। बीते वर्ष आई फिल्म धुरंधर ने जबर्दस्त कमाई की थी। इस ब्लॉकबस्टर फिल्म का सीक्वल धुरंधर 2 भी कमाल का प्रदर्शन कर रही है। ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार धुरंधर 2 ने शुरुआती तीन दिन ताबतड़तोड़ कमाई करने के बाद 300 करोड़ क्लब में एंट्री ले ली। इस फिल्म ने शुरुआती तीन दिनों में करीब 339.27 करोड़ रुपये जुटाए। यह कमाई शाहरुख खान की पठान-जवान और रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल के तीन दिनों के कलेक्शन से काफी ज्यादा है। धुरंधर द रिवेंज ने वीकएंड पर भी नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। यह भारतीय सिनेमा के इतिहास की पहली ऐसी फिल्म बन गई है, जिसने सिर्फ अपने हिंदी वर्जन से ही एक दिन में 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है। खास बात यह है कि यह पहली ऐसी हिंदी फिल्म भी है, जिसने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर लगातार दो दिनों तक 100 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन किया है। इस स्पाई थ्रिलर ने तीसरे दिन (शनिवार) को 113 करोड़ रुपये और चौथे दिन (रविवार) को 114.85 करोड़ रुपये की नेट कमाई की। इससे पहले एस.एस. राजामौली द्वारा निर्देशित फिल्म आरआरआर ने एक ही दिन में 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया था और फिल्म ने यह कलेक्शन तेलुगु भाषा में जुटाया था।

पथरोटा सेक्टर में ग्रेजुएशन सेरेमनी एवं प्रवेशोत्सव का आयोजन, 28 बच्चों को मिले प्रमाण पत्र

इटारसी/केसला ब्लॉक के अंतर्गत प्रारंभिक शिक्षा को उत्सव के रूप में बढ़ावा देने की दिशा में पथरोटा सेक्टर में एक सराहनीय पहल देखने को मिली। सोमवार को सेक्टर पथरोटा-01 एवं पथरोटा-02 के आंगनबाड़ी केंद्रों में 5 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए ग्रेजुएशन सेरेमनी एवं प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संभागीय संयुक्त संचालक श्रीमति तृप्ति एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री ललित डेहलिया के निर्देशानुसार तथा परियोजना अधिकारी श्री योगेश घाघरे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य आंगनबाड़ी स्तर पर प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा पूर्ण कर चुके बच्चों को प्राथमिक शिक्षा की ओर सहज रूप से अग्रसर करना और स्कूल प्रवेश को एक उत्सव के रूप में स्थापित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को विद्यारंभ प्रमाण पत्र प्रदान कर उनके शैक्षणिक सफर की नई शुरुआत को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में कुल 28 बच्चों को प्रमाण पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। बच्चों के चेहरे पर खुशी और आत्मविश्वास साफ झलक रहा था, वहीं अभिभावकों ने भी इस पहल की सराहना की। इस अवसर पर अभिभावकों को बच्चों की नियमित उपस्थिति, अनुशासन और शिक्षा के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई, जिससे वे अपने बच्चों के भविष्य को लेकर अधिक जागरूक बन सकें। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और स्थानीय जनों की भी सक्रिय सहभागिता रही। जनपद सदस्य श्रीमती आशा उइके, सरपंच श्रीमति डाली भलावी, जनपद सदस्य श्री योगीराज पटैल, पर्यवेक्षक सुश्री चेतना ढिवरे एवं कंचन सदेले सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं, बच्चे एवं उनके अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने इस आयोजन को एक नवाचारपूर्ण पहल बताते हुए इसकी सराहना की और कहा कि इस तरह के कार्यक्रम बच्चों में शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ-साथ अभिभावकों को भी शिक्षा के प्रति प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन से क्षेत्र में शिक्षा के प्रति सकारात्मक माहौल देखने को मिला, जो आने वाले समय में बेहतर शैक्षणिक परिणामों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

एआई क्रांति में भारत की मजबूत दस्तक- राज्यसभा में माया नारोलिया ने रखा भविष्य का विजन

नई दिल्ली। राज्यसभा में भारत की डिजिटल प्रगति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में उभरती ताकत को लेकर एक महत्वपूर्ण चर्चा के दौरान सांसद माया नारोलिया ने देश के भविष्य का एक स्पष्ट और सशक्त रोडमैप प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि भारत अब केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर नेतृत्व करने वाला देश बनकर उभर रहा है।

सांसद नारोलिया ने हाल ही में भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' का उल्लेख करते हुए कहा कि यह आयोजन भारत के तकनीकी विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक पड़ाव साबित हुआ है। उन्होंने इसे ऐसा मंच बताया, जहां भारत ने दुनिया के सामने अपनी एआई क्षमताओं और विज़न को मजबूती से प्रस्तुत किया।

अपने संबोधन में उन्होंने समिट के दौरान पारित 'न्यू दिल्ली डिक्लेरेशन ऑन एआई इम्पैक्ट' को वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण दस्तावेज बताया। उनके अनुसार, इस घोषणा पत्र को कई देशों और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों का समर्थन मिलना भारत की बढ़ती साख और नेतृत्व क्षमता का प्रमाण है।

सांसद नारोलिया ने भारत की स्वदेशी तकनीकी पहलों की सराहना करते हुए 'भारत GAIN', 'परम-2' और 'सर्वम एआई द्वारा विकसित बहुभाषी एआई मॉडलों का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ये पहलें न केवल तकनीकी आत्मनिर्भरता को मजबूत कर रही हैं, बल्कि भारतीय भाषाओं और विविधता को भी वैश्विक मंच पर स्थापित कर रही हैं। उन्होंने एआई विकास में राज्यों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि मध्य प्रदेश जैसे राज्य अब एआई-सक्षम शासन और तकनीकी हब विकसित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि राज्यों को आवश्यक संसाधन और स्पष्ट दिशा-निर्देश प्रदान किए जाएं, ताकि देशभर में संतुलित तकनीकी विकास सुनिश्चित हो सके।

किसान कांग्रेस का प्रदर्शन, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

इटारसी। जिला किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष विजय बाबू चौधरी के नेतृत्व में किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन स्थानीय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) निलेश शर्मा को सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से किसानों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाते हुए शीघ्र समाधान की मांग की गई। ज्ञापन में प्रमुख रूप से सोसायटी ऋण जमा करने की अंतिम तिथि 28 मार्च से आगे बढ़ाने की मांग की गई, ताकि किसान बिना ब्याज के अपना ऋण चुका सकें। इसके साथ ही अमेरिकी सोयाबीन के आयात पर टैक्स में दी जा रही राहत को रोकने की मांग करते हुए कहा गया कि इससे स्थानीय किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। किसान कांग्रेस ने गेहूँ की खरीद 4000 प्रति क्विंटल की दर से किए जाने की भी मांग उठाई, तर्क देते हुए कि बढ़ती लागत के कारण किसानों को उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। इसके अलावा बिजली विभाग द्वारा बिना पर्याप्त जांच के किसानों पर बिजली चोरी के मामले दर्ज करने और गांवों में की जा रही बिजली कटौती को भी बंद करने की मांग की गई।

ज्ञापन में घरेलू गैस सिलेंडर की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने और उसके दामों में कमी कर आमजन को राहत देने की मांग भी शामिल रही। इस अवसर पर राजकुमार केलु उपाध्याय, हेमू कश्यप, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष नीलम गांधी, अशोक जैन, रमेश बामने, पंकज राठौर, मयूर जायसवाल, राकेश शर्मा, अभय दुबे, मोहन झलिया, लाली सलूजा, राजेंद्र सिंह रज्जू तोमर, नरेश चौहान, दिलीप गोस्वामी, धर्मेंद्र मालवीय, अजय टप्पू मिश्रा, विजय कावरे, गुफरान अंसारी, अमित गुप्ता, मयंक चौरे, गौरव गोल्डी चौधरी, सौम्य दुबे, प्रतीक मालवीय, रंजीत ठाकुर, नेहा चावरे, दीपक धर, रवि अग्रवाल, हरीश अग्रवाल, चंद्रकांत बहारे, राकेश मालवीय (सोनतलाई), अजय अहिरवार, आकाश, एडवोकेट नरेंद्र महालहा, एडवोकेट आनंद मेहतो, कुशराम, गुमान माडले, अतुल मेहतो, भरत चौरे, आमेर पटेल, प्रेम चौरे, लक्की भदौरिया, दिनेश चौरे, अनिल दुबे, अजय पटेल, कृष्णा चौधरी, हिमांशु चौधरी, शेख हारून, विशाल बड़कुर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अमेरिका के टेक्सास में तेल रिफाइनरी में भीषण आग

टैक्सास। अमेरिका के टेक्सास राज्य के पोर्ट आर्थर शहर में स्थित वैलेरो ऑयल रिफाइनरी में सोमवार रात बड़ा धमाका हुआ, जिसके बाद वहां भीषण आग लग गई और आसमान में काला धुआं फैल गया।

रिपोर्ट के मुताबिक, आसपास के लोगों ने तेज धमाके की आवाज सुनी, जिससे उनके घर हिल गए। इसके बाद इमरजेंसी टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। यह रिफाइनरी रोजाना करीब 4.35 लाख बैरल कच्चे तेल को प्रोसेस कर पेट्रोल, डीजल और जेट फ्यूल बनाती है। अधिकारियों के अनुसार, यह विस्फोट एक हीटर में खराबी के कारण हुआ।

दिल्ली की सड़कों पर उतरे हिमाचल के किसान

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की व्यापारिक नीतियों के खिलाफ हिमाचल प्रदेश के किसानों और बागवानों का गुस्सा आज दिल्ली की सड़कों पर उतर आया है। राज्य के विभिन्न हिस्सों से लगभग 3000 से अधिक प्रदर्शनकारी दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में 'जन आक्रोश रैली' के लिए जुटे हैं। इनका सबसे बड़ा विरोध अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील को लेकर है, जिसके तहत सेब पर आयात शुल्क आधा कर दिया गया है। यह प्रदर्शन भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) और अखिल भारतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर यूनियन के संयुक्त आह्वान पर हो रहा है। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिला बागवान भी शामिल हैं, जो बीती रात ही

दिल्ली के लिए कूच कर चुकी थीं। प्रदर्शनकारियों की मुख्य चिंता केंद्र सरकार द्वारा अमेरिकी सेब पर आयात शुल्क को 50 प्रतिशत से घटाकर 25 प्रतिशत करने का फैसला है। माकपा नेता और सेब बागवान सोहन ठाकुर के अनुसार, इस फैसले से विदेशी सेब भारतीय बाजारों में बेहद सस्ते दामों पर उपलब्ध होंगे, जिससे स्थानीय उत्पादकों को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि यह कदम सीधे तौर पर हिमाचल के लगभग 5500 करोड़ रुपये के सेब उद्योग को बर्बाद कर देगा। हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्य में, जहां की एक बड़ी आबादी की आजीविका सेब उत्पादन पर ही निर्भर है, इस निर्णय का सीधा असर उनकी आय पर पड़ेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था चरमरा जाएगी।

ठियोग से माकपा के पूर्व विधायक राकेश सिंघा ने स्पष्ट किया कि रैली का एजेंडा सिर्फ सेब तक ही सीमित नहीं है। प्रदर्शनकारी कई अन्य महत्वपूर्ण मांगों को भी उठाएंगे। इनमें प्रमुख मांगें हैं- मनरेगा की बहाली, श्रम कानूनों में बदलाव आदि।

इस बड़ी रैली से पहले, किसानों और बागवानों को जागरूक करने के लिए हिमाचल के गांवों में नुक्कड़ सभाओं और नाटकों का आयोजन किया गया था। इन कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को यह बताया गया कि केंद्र की नीतियां किस तरह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को कमजोर कर रही हैं।

सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण करना केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण के प्रति एक महान उत्तरदायित्व है: मंत्री परमार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में, भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित %सफलता के मंत्र% कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने सहभागिता कर, संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) सिविल सेवा परीक्षा-2025 में चयनित अभ्यर्थियों को सफल सिविल सेवा एवं उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। मंत्री श्री परमार ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 के %विकसित भारत% की संकल्पना सिद्धि में, आप सभी शिल्पकार बनकर अपनी प्रशासनिक दक्षता, पुरुषार्थ एवं परिश्रम से सहभागिता सुनिश्चित करेंगे।

मंत्री श्री परमार ने चयनित अभ्यर्थियों से कहा कि आप सभी सौभाग्यशाली हैं कि आपको समाज और राष्ट्र की सेवा करने का पुनीत अवसर मिला है। संघ लोक सेवा आयोग सिविल सेवा परीक्षा जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में उत्तीर्ण होना केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के प्रति एक महान उत्तरदायित्व है। मंत्री श्री परमार ने कहा कि अपनी इस

असाधारण योग्यता को समाज और देश के उत्थान के लिए समर्पित करने का संकल्प लें। मंत्री श्री परमार ने कहा कि कृतज्ञता ही मानवता का वास्तविक आभूषण है। हम चाहे सफलता के किसी भी शिखर पर पहुँच जाएँ, अपनी माटी का ऋण और अपनों के साथ को कभी नहीं भूलना चाहिए। यही कृतज्ञता का भाव %लोक-कल्याण% की नींव रखता है।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि देश की उन्नति का मार्ग गुरुओं के प्रति सम्मान से ही प्रशस्त होता है। शिक्षक चाहे विद्यालयीन शिक्षा के हो अथवा महाविद्यालयीन शिक्षा के हों, उनका स्थान हमारे जीवन में सदैव सर्वोच्च रहना चाहिए। मंत्री श्री परमार ने कहा कि जब हम अपने गुरुजनों का सम्मान करते हैं, तो राष्ट्र स्वतः ही ज्ञान के शिखर की ओर अग्रसर होता है। मंत्री श्री परमार ने कहा कि वास्तविक विकास तभी संभव है जब समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का जीवन स्तर सुधरे। ग्रामीण अंचल के विकास की मुख्यधारा से पिछड़े हुए लोगों का हाथ पकड़कर उन्हें आगे बढ़ाना ही हमारा पुनीत कर्तव्य है। सशक्त ग्रामीण भारत ही %विकसित भारत% की नींव है।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में चंद्रशेखर आजाद और भगत सिंह जैसे महान क्रांतिकारियों के बलिदान को स्मरण करते हुए, राष्ट्र निर्माण में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता पर बल दिया। आइए, हम सब मिलकर समन्वय के भाव से भारत को विश्व का सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र बनाने का दृढ़ संकल्प लें और अपनी5 प्रतिबद्ध सहभागिता से विकसित भारत2047 की संकल्पना सिद्धि में सहभागिता सुनिश्चित करें।

कार्यक्रम में संघ लोक सेवा आयोग सिविल सेवा परीक्षा-2025 में चयनित अभ्यर्थियों ने अपनी सफलता के विभिन्न पहलुओं और प्रयासों से अवगत करवाया।

नर्मदापुरम में ही हो कमर्शियल वाहनों की फिटनेस, कांग्रेस ने आरटीओ को सौंपा ज्ञापन

नर्मदापुरम। जिले में कमर्शियल वाहनों की फिटनेस जांच को लेकर उत्पन्न हो रही समस्याओं के समाधान हेतु जिला कांग्रेस कमेटी ने क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवकांत गुड्डन पांडेय एवं परिवहन कांग्रेस प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष अजय मिश्रा (टप्पू भैया) के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने वाहन मालिकों की परेशानी को प्रमुखता से उठाया। ज्ञापन में बताया गया कि नर्मदापुरम जिले में कमर्शियल वाहनों की फिटनेस की व्यवस्था सुचारू रूप से नहीं होने के कारण वाहन मालिकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में उन्हें अपने वाहनों की फिटनेस के लिए भोपाल स्थित एटीएस (ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन) भेजा जा रहा है, जिससे अनावश्यक आर्थिक बोझ और समय की बर्बादी हो रही है। कांग्रेस नेताओं ने बताया कि नर्मदापुरम से भोपाल की दूरी लगभग 90 किलोमीटर है, जबकि पिपरिया, बनखेड़ी, केसला और सुखतवा जैसे दूरस्थ क्षेत्रों से यह दूरी 150 किलोमीटर तक पहुंच जाती है। ऐसे में वाहन मालिकों को बार-बार भोपाल जाने में भारी खर्च उठाना पड़ रहा है, साथ ही उनका समय भी नष्ट हो रहा है, जिससे उनका व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवकांत गुड्डन पांडेय एवं अजय मिश्रा (टप्पू भैया) ने आरटीओ से आग्रह किया कि जब तक नर्मदापुरम में एटीएस की स्थापना नहीं हो जाती, तब तक कमर्शियल वाहनों की फिटनेस जांच की व्यवस्था स्थानीय स्तर पर ही सुनिश्चित की जाए, ताकि वाहन मालिकों को राहत मिल सके। कांग्रेस ने प्रशासन से इस विषय में शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपेक्षा जताई है, जिससे जिले के सैकड़ों वाहन मालिकों को अनावश्यक परेशानियों से बचाया जा सके। उक्त जानकारी जिला कांग्रेस प्रवक्ता अनिल रैकवार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई।

पत्रकारिता आसान नहीं बल्कि कांटो भरा ताज है: दिनेश राय

श्रमजीवी पत्रकार संघ का परिचय पत्र वितरण समारोह

सिवनी। आज के दौर में पत्रकारिता आसान नहीं बल्कि काटो भरा ताज है समाचारों के लिए कड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है और जो लोग कड़ी मेहनत करते हैं वे इस क्षेत्र में सफल होते हैं राष्ट्र का चौथा स्तंभ पत्रकारिता को माना गया है इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार है लेकिन यह अधिकार हमें सेवा के लिए दिया गया है ना की आर्थिक उपार्जन के लिए है। किसी भी संस्था का परिचय उसके दिए गए कार्ड से नहीं बल्कि उसे संस्था के कार्यों और वहां के आचार विचार से होता है। श्रमजीवी पत्रकार संघ एक ऐसी संस्था है एक ऐसा संगठन है जिसका मैं स्वयं आजीवन सदस्य हूं और संस्था से प्रभावित रहा हूं भविष्य में मेरे लायक जो भी काम होंगे वह करने के लिए सतत प्रयास रहूंगा। उक्त सार गर्भित उद्गार मध्य

प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला स्तरीय परिचय पत्र वितरण समारोह के अवसर पर बाहुबली लॉज में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन ने मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता पीजी कॉलेज के जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष अजय बाबा पांडे ने की जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा महामंत्री संतोष अग्रवाल उपस्थित रह। इस कार्यक्रम में श्रमजीवी पत्रकार संघ के कार्यकारी अध्यक्ष मनोज मर्दन त्रिवेदी ने कहा कि पत्रकारिता का उद्देश्य सकारात्मक होना चाहिए आपके कार्य देश के विकास में काम आ सके और इस राह में हम तभी सफल हो सकते हैं जब हम निस्वार्थ सेवा करते हैं आपको दिया जाने वाला यह परिचय पत्र का उद्देश्य यही है कि आप ऐसे कार्य करें जिससे आपकी संस्था एवं देश का नाम रोशन हो यह कार्ड आपको लाभ पहुंचाने के लिए नहीं बल्कि सकारात्मक सोच को विकसित करने के लिए दिया जा रहा है हम उम्मीद करेंगे की सभी सदस्य इस बात का ध्यान रखेंगे कार्यक्रम के प्रारंभ में भारत मां के समक्ष आमंत्रित जनों द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। जिलाध्यक्ष नन्दन श्रीवात्री ने श्रमजीवी पत्रकार संघ की माला में पिरे मोतियों साथी पत्रकारों का अभिवादन करते हुए सभी को एक जुट रहकर संगठन को मजबूती प्रदान करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन संजय जैन संजू द्वारा किया गया।

संस्कार विद्यालय में शहीद हेमू कालानी के जन्मदिवस एवं शहीद भगत सिंह, राजगुरू एवं सुखदेव के शहीदी दिवस पर उन्हें याद किया

संतनगर। संस्कार विद्यालय में शहीद हेमू कालानी के जन्मदिवस एवं शहीद भगत सिंह, राजगुरू एवं सुखदेव के शहीदी दिवस पर उनको श्रद्धांजलि देते हुए उन्हे याद किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम संस्था के अध्यक्ष श्री सुशील वासवानी, सचिव श्री बसंत चेलानी, कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव, पत्रकार सुरेष जसवानी द्वारा हेमू कालानी, भगत सिंह, राजगुरू एवं सुखदेव के छाया चित्र पर पुष्पजंलि अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धाजंलि दी गई सर्वप्रथम संस्था के सचिव श्री बसंत चेलानी ने आए हुए सभी का स्वागत करते हुए कहा कि हम हमेषा महापुरूषों की जीवनी एवं शहादत दिवस को मनाते है और यह हम इसलिए मनाते है ताकि हमें उनकी शहादत और देष के लिए क्या-क्या बलिदान दिया उनके बारे में जान सके, आज हम जो आजादी की सांस ले रहे तो ऐसे ही आजाद नहीं उसके लिए हमारे कई महापुरूषों ने बलिदान दिया है और हमें यदि आगे भी हमें स्वतंत्र रहना है, तो हमें जागरूक रहना पड़ेगा। संस्था के अध्यक्ष श्री सुशील वासवानी ने भारत माता की जय के नारों के साथ कहा कि वास्तव में इतिहास जो है हमारे आने वाले मार्ग को प्रषस्त करता है और हम इतिहास को भूल जाएंगें तो हो सकता है कि हमारे आने वाली राह कठिन होगी, उन्होंने कहा कि आज शहीद हेमू कालानी की जयंती है, जो एक सिंधी थे और उन्होंने देष के लिए अपना बलिदान कर दिया लेकिन अब सिंधी जाति व्यापार में व्यस्त है, बहुत सहज है, सबसे स्नेह करती है लेकिन मैदान में नहीं पर अब वह धीरे-धीरे मैदान में आ रही है। मैं शहीद हेमू कालानी, शहीद भगत सिंह, शहीद राजगुरू, शहीद सुखदेव के चरणों में नमन करता हूँ जिसकी वजह से हम लगभग 79 सालों से आजादी की सांस ले रहें है, उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि हमें अपने घरों में अपने बच्चों के सामने इन बातों के बारे में चर्चाकरनी चाहिए ताकि उन्हें भी इस बारें में जानकारी मिल सकें।

उमंग सिंधी मैराथन-फिटनेस व उत्साह का संगम

सबनानी, रॉक स्टार नील ने किया फ्लैग ऑफ, सनसिटी गार्डन से दौड़े हजारों युवा, फिटनेस का दिया संदेश

भोपाल। राजधानी में तड़के 5 बजे फिटनेस और उत्साह का अनोखा संगम देखने को मिला। सिंधी मेला समिति द्वारा आयोजित उमंग सिंधी मैराथन की शुरुआत शहर के सनसिटी गार्डन से हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक भगवान दास सबनानी एवं मशहूर गायक नील शामिल हुए। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए फिटनेस को जीवन का अहम हिस्सा बनाने का संदेश दिया। सुबह 5:30 बजे पहली रेस के फ्लैग ऑफ के साथ ही धावकों के कदमों ने पूरे वातावरण को ऊर्जा से भर दिया।मैराथन का रूट सनसिटी से शुरू होकर लालघाटी चौराहा, वी.आई.पी रोड से गुजरा और समापन फिर सनसिटी गार्डन परिसर में हुआ। 3 अलग-अलग कैटेगरी की रेस निर्धारित समय के अनुसार सुबह 5:30 बजे से चरणबद्ध तरीके से शुरू की गई। प्रतिभागियों को रेस से पहले रिपोर्टिंग और वार्म-अप के लिए समय दिया गया। इस मैराथन में रेस से पहले 45 मिनट का जुम्बा सेशन एम के फिटनेस की और से आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साह से हिस्सा लिया। परिवार के साथ आए लोगों के लिए मनोरंजन और डांस की विशेष व्यवस्था भी रही। सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी ने बताया कि शहीद हेमू कालानी, भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की शहादत को याद करते हुए इस उमंग सिंधी मैराथन का आयोजन किया गया था। इस मैराथन में हजारों लोगों ने हिस्सा लिया। हमारा लक्ष्य भोपाल को फिटनेस की राजधानी बनाना है। उमंग सिंधी मैराथन के जरिए हम न केवल स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैला रहे हैं, बल्कि एक ऐसा प्लेटफॉर्म तैयार कर रहे हैं जहाँ हर नागरिक एक सामाजिक बदलाव का हिस्सा बन सके। भोपाल की सडकों पर आज जो उत्साह देखा गया, वह केवल एक दौड़ नहीं बल्कि फिट इंडिया और उभरते खिलाड़ियों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इस उमंग सिंधी मैराथन कार्यक्रम का संयोजक कपिल भाटिया को बनाया गया था । अध्यक्ष मनीष दरयानी महासचिव नरेश तलरेजा जी के साथ कमलेश चंदवानी,कविता चंदवानी,किरण वाधवानी,हरीश विधानी ,दीपक राजानी, दीपांशी सबनानी(, भावना जगवानी, पूजा भाटिया, सिया आसुदानी, राम आसुदानी, सुनील किंगरानी, रितेश, रवि आनंद सहित अन्य सदस्यों ने इस मैराथन को सफल बनाने में अपना अहम योगदान दिया।

स्वामी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक विनोद सिंह तोमर द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप 11 कॉम्प्लेक्स एमपी नगर जोन-1 भोपाल (म.प्र) से मुद्रित एवं 87, पुट्ठामिट गेट के सामने, छोला रोड, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से प्रकाशित।
संपादक : विनोद सिंह तोमर मो. 7067515898, स्थानीय- संपादक संजय सक्सेना RNI NO. MPHIN/2015/61965 (सभी विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र भोपाल न्यायालय के अंतर्गत ही मान्य होगा।)